RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से खबरें

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्षः 11 अंकः 61 | जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ ,शनिवार, 29 अगस्त 2026 | मूल्यः 4 रुपए | पृष्ठः 08

▶ प्रधानमंत्री मोदी ने जेन-अल्फा छात्रों के साथ रक्षाबंधन मनाया

किसी ने दी लोटस वाली राखी, तो किसी ने पीएम को पहले ही दे दी जन्मदिन की बधाई

प्रधानमंत्री ने बच्चों से खूब बातचीत की, बच्चों की बातें सुनीं और उनसे कई सवाल भी पूछे

● नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। इस दौरान कई जेन-अल्फा बच्चे पीएम मोदी को राखी बांधने पहुंचे। प्रधानमंत्री ने बच्चों से खूब बातचीत की। उन्होंने बच्चों की बातें सुनीं और कई सवाल भी पूछे. पीएम मोदी ने इस खास मुलाकात का करीब तीन मिनट का वीडियो अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किया है. वीडियो में बच्चों के साथ उनका हल्का-फुल्का और मजेदार अंदाज देखने को मिला।

वीडियो में एक बच्ची प्रधानमंत्री को राखी बांधती नजर आ रही है। इस दौरान पीएम मोदी ने उससे पूछा कि तुम क्या लेकर आई हो। बच्ची ने मासूमियत से जवाब दिया कि वह लोटस वाली राखी लेकर आई है। इसके बाद दोनों मुस्कुराते हुए नजर आए। एक बच्ची ने प्रधानमंत्री को उनके जन्मदिन से पहले ही शुभकामनाएं दे दीं। पीएम मोदी ने बच्चों की बातों को ध्यान से सुना और उनके साथ हंसी-मजाक भी किया। एक बच्ची ने प्रधानमंत्री के लिए खुद राखी बनाई थी। उसने बताया कि उसने यह राखी इसलिए बनाई है क्योंकि सभी जानते हैं कि प्रधानमंत्री नेचर लवर हैं। बच्ची की बात सुनकर पीएम मोदी ने भी उससे बातचीत की। बच्चों ने अपने हाथों से बनाई राखियां पीएम मोदी को दीं। इस दौरान प्रधानमंत्री बच्चों के साथ काफी सहज नजर आए।

बच्चों ने पीएम को सुनाई अपनी लिखी कविताएं

रक्षाबंधन के मौके पर कई बच्चों ने प्रधानमंत्री के लिए कविताएं भी तैयार की थीं। बच्चों ने पीएम मोदी को अपनी लिखी कविताएं सुनाईं। प्रधानमंत्री ने उनकी बातें सुनीं और बच्चों का उत्साह बढ़ाया। इस पूरे कार्यक्रम में बच्चों की मासूमियत और पीएम मोदी के साथ उनकी सहज बातचीत देखने को मिली। प्रधानमंत्री ने इन खास पलों की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर भी साझा किए।

एआई को लेकर बच्चे ने किया खास वादा

रक्षाबंधन के इस कार्यक्रम में तकनीक की भी चर्चा हुई। एक जेन-अल्फा छात्र ने पीएम मोदी को एआई से जुड़ी राखी बांधी। बच्चे ने कहा कि प्रधानमंत्री हमेशा एआई फॉर ऑल की बात करते हैं। उसने कहा कि वह जिम्मेदारी के साथ एआई सीखेगा। उसे समझेगा और इसका सही इस्तेमाल करेगा। बच्चे की इस बात ने पीएम मोदी का ध्यान खींचा। इस दौरान प्रधानमंत्री बच्चों से उनकी पढ़ाई और रुचियों को लेकर भी बातचीत करते नजर आए।

करेले की सब्जी पर पीएम मोदी ने बच्चों से किया मजेदार सवाल

वीडियो में पीएम मोदी का बच्चों के साथ मजाकिया अंदाज भी देखने को मिला। उन्होंने एक छोटी बच्ची से कहा कि मम्मा कहती हैं कि तुम दूध नहीं पीती हो और सब्जी भी नहीं खाती हो। इसके बाद पीएम ने पूछा कि क्या तुम करेले की सब्जी नहीं खाती हो। बच्ची ने मासूमियत से जवाब दिया कि करेला तो उसका भाई भी नहीं खाता। उसने कहा कि कोई भी करेला नहीं खाता। बच्ची का यह जवाब सुनकर वहां मौजूद लोग मुस्कुराने लगे। एक बच्ची ने पीएम मोदी से कहा कि वह महाकाल के दर्शन करने जाएगी। इस पर प्रधानमंत्री ने उससे पूछा कि कब जाओगी। इसके बाद पीएम ने मुस्कुराते हुए कहा कि मेरे लिए महाकाल का प्रसाद लेकर आना। बच्ची ने भी उत्साह के साथ पीएम की बात का जवाब दिया।

स्पेशल सेल ने पति-पत्नी को किया गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस ने किया आईएसआई के जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश

● नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े एक बड़े जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। इस मामले में दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले एक पति पत्नी साहिल और समीरा को गिरफ्तार किया गया है।

पाकिस्तान भेजते थे भारतीय सिम कार्ड

पुलिस का कहना है कि दोनों साल 2024 से सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों के संपर्क में थे और उनके लिए काम कर रहे थे। इस ऑपरेशन को स्पेशल सेल ने ऑपरेशन समीरा नाम दिया है। आरोपियों ने भारतीय सिम कार्ड खरीदकर पाकिस्तान भेजे, सेना से जुड़ी जानकारी जुटाई और बदले में पाकिस्तान से पैसे भी लिए। पूरा मामला क्या है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की नॉर्दर्न रेंज को पहले से जानकारी मिल रही थी कि कुछ लोग आतंकी संगठनों को लॉजिस्टिक सपोर्ट दे रहे हैं। इसी जांच में पता चला कि पाकिस्तान की आईएसआई समर्थित एक नेटवर्क दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय है। जांच आगे बढ़ी तो सामने आया कि साहिल नाम का एक युवक 2024 में इंस्टाग्राम के जरिए एक पाकिस्तानी एजेंट के संपर्क में आया था। यह संपर्क उसकी दोस्त समीरा के जरिए हुआ था, जो बाद में उसकी पत्नी बनी। पाकिस्तानी एजेंट ने दोनों को एक

पाकिस्तानी इंटेलिजेंस ऑपरेटिव यानी पीआईओ से मिलवाया, जिसने धीरे-धीरे उन्हें अपने नेटवर्क के लिए काम करने पर तैयार कर लिया। बदले में उन्हें पैसों का लालच दिया गया।

दुबई के रास्ते पाकिस्तान भेजे गए भारतीय सिम कार्ड

पुलिस के अनुसार साहिल और समीरा ने 2024 और 2025 के दौरान कुल 8 भारतीय सिम कार्ड हासिल किए और दुबई के रास्ते पाकिस्तान भेज दिए। इन सिम कार्ड पर पाकिस्तान में व्हाट्सएप अकाउंट चलाए गए, जिनका इस्तेमाल भारतीय लोगों से संपर्क करने और संवेदनशील जानकारी जुटाने में किया गया। यहां तक कि इन नंबरों से कुछ भारतीय व्हाट्सएप ग्रुप में भी घुसपैठ की गई। इसके बदले पाकिस्तानी हैंडलर्स ने दोनों को 30 हजार रुपये दिए।

मोबाइल में पाक हैंडलर्स के साथ बातचीत के अहम सबूत मिले

साहिल को कैंटोनमेंट इलाकों की रेकी करने और इसके लिए और लोगों को भर्ती करने का काम भी सौंपा गया था। उसने उन सेना के जवानों की जानकारी भी दी, जिनके खिलाफ कोर्ट मार्शल की कार्रवाई चल रही थी। यानी नेटवर्क सिर्फ आम जानकारी नहीं, बल्कि सेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारी भी जुटा रहा था। पुलिस ने सबसे पहले साहिल को गिरफ्तार किया, जो सराय काले खां का रहने वाला है और उसके पिता कार मैकेनिक हैं। उसके मोबाइल की फॉरेंसिक जांच में पाकिस्तानी एजेंटों से संदिग्ध चैट मिलीं। इसी के आधार पर पूछताछ हुई और पत्नी समीरा की भूमिका सामने आई, जिसके बाद उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया। समीरा नोएडा के एक कॉल सेंटर में काम करती थी। दोनों के मोबाइल फोन में पाकिस्तानी हैंडलर्स के साथ बातचीत के अहम सबूत मिले हैं।

कर्नाटक के मंत्री ने 25 दिन में ही दिया इस्तीफा

नागेंद्र रोते हुए बोले- दलित होने की वजह से मुझे निशाना बना रहे

● बेंगलुरू

कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम घोटाले में घिरे कांग्रेस नेता बी. नागेंद्र ने अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की है। घोटाले के आरोपों और विपक्षी बीजेपी के जुबानी हमलों के बीच उन्होंने कहा कि वो अपना त्यागपत्र सौंप रहे हैं। इस्तीफे की घोषणा के दौरान बी. नागेंद्र ने खुद पर लगे आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा, क्या वाल्मीकि निगम के किसी लेनदेन में कहीं भी मेरे दस्तखत हैं? मुझे सिर्फ इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि मैं एक दलित वर्ग से आता हूं।

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि मेरे खिलाफ रोजाना 1000 झूठ

फैलाए जा रहे हैं। नागेंद्र ने बैंकों पर सवाल खड़े करते हुए कहा, इस पूरे मामले में बैंक शामिल थे। अगर बैंकों की संलिप्तता है, तो क्या इसके लिए केंद्रीय वित्त मंत्री जिम्मेदार नहीं हैं? कर्नाटक की जनता सब देख रही है। दरअसल मई 2024 में निगम के लेखा अधीक्षक पी. चंद्रशेखरन की आत्महत्या के बाद 89.63 करोड़ रुपये के अनधिकृत ट्रांजैक्शन का मामला सामने आया था। उस समय जनजातीय कल्याण मंत्री रहे नागेंद्र ने जून 2024 में पद छोड़ दिया था। हालांकि, 3 अगस्त 2026 को उन्हें योजना और सांख्यिकी विभाग देकर दोबारा कैबिनेट में शामिल किया गया था। इसके बाद बीजेपी और जेडी(एस) ने उनका इस्तीफा मांगते हुए सदन से लेकर सड़क तक विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। दोनों विपक्षी दलों ने 1 से 10 सितंबर तक रायचूर से बल्लारी तक पदयात्रा निकालने की भी घोषणा की।

अब नागेंद्र ने हालात को समझते हुए खुद ही इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया। नागेंद्र ने बताया कि वो मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से मुलाकात करेंगे और उनके साथ चर्चा करने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपना इस्तीफा सौंपेंगे।

आरएसएस पथ संचलन में शामिल शिक्षकों के निलंबन पर भड़के केंद्रीय मंत्री जोशी

कर्नाटक सरकार पर साधा निशाना

● नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को कर्नाटक सरकार पर आरोप लगाया कि उसने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पथ संचलन में हिस्सा लेने के लिए दो सरकारी स्कूल शिक्षकों को निलंबित करके नफरत भरी कार्रवाई की है। उन्होंने मांग की कि इस कार्रवाई को वापस लिया जाए। जोशी ने सरकार की प्राथमिकताओं पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि सरकार को शिक्षकों को निलंबित करने के बजाय लापता आईएएस अधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार को खोजने पर ध्यान देना चाहिए, जो कर्नाटक लोक सेवा आयोग में बड़े पैमाने पर हुई कथित अनियमितताओं के मामले में वांछित हैं। जोशी ने यहां संवाददाताओं से कहा, आईएएस अधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार लापता हैं। क्या सरकार का काम उन्हें पकड़ना है या आरएसएस की गतिविधियों में भाग लेने के लिए दो शिक्षकों को निलंबित करना है? शिक्षा विभाग ने यादगीर जिले के दो शिक्षकों गुरुराज जोशी और अन्ना साहेब देशमुख को आरएसएस के पथ संचलन में भाग लेने के लिए विभागीय जांच लंबित रहने तक निलंबित कर दिया था। विभाग का कहना है कि पथ संचलन में दोनों की भागीदारी प्रथम दृष्टया कर्नाटक सिविल सेवा (आचरण) नियम, 2021 के प्रावधानों का उल्लंघन थी। जोशी ने कहा कि अदालतों ने पहले सरकारी कर्मचारियों को आरएसएस की गतिविधियों में भाग लेने से रोकने की कोशिशों को खारिज कर दिया था।

बीएमसी में मेयर की पोस्ट पर तकरार

मुंबई, आरएनएन । बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) में मेयर के पद को लेकर महायुति के दो धड़ों- बीजेपी और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के बीच खींचतान बढ़ गई है। दोनों दलों के बीच पावर शेयरिंग के फॉर्मूले को लेकर विवाद खुलकर सामने आ गया है। शिवसेना के बीएमसी समूह नेता अमेय घोले ने दावा किया है कि मुख्यमंत्री के आवास वर्षा में हुई महायुति की समन्वय बैठक के दौरान एक फॉर्मूले पर सहमति बनी थी।

शिंदे सेना का दावा- पहले भाजपा, फिर हमें मिलना था पद

अमेय घोले ने कहा, इस समझौते के तहत पहले ढाई साल के लिए मेयर पद बीजेपी के पास रहना था। इसके बाद अगले सवा साल के लिए ये पद शिवसेना को मिलना तय हुआ था और कार्यकाल का बाकी बचा समय फिर से बीजेपी को दिया जाना था। घोले ने बताया कि सभी समितियों का बंटवारा तय योजना के मुताबिक ही हुआ और लागू किया गया। उन्होंने कहा कि बीजेपी के भीतर भले ही कोई संवादहीनता हो, लेकिन शिवसेना अपने तय समय पर मेयर पद के लिए पूरे आत्मविश्वास के साथ दावा पेश करेगी। दूसरी तरफ, बीजेपी के वरिष्ठ नेता और मंत्री आशीष शेलार ने शिवसेना के इन दावों से अपनी पार्टी को अलग कर लिया है। आशीष शेलार ने कहा कि अनौपचारिक रूप से हुई बातचीत का कोई कानूनी या आधिकारिक मोल नहीं होता। अगर शीर्ष नेताओं के बीच ऐसा कोई समझौता हुआ होता, तो उसकी औपचारिक घोषणा सार्वजनिक रूप से जरूर की जाती।

शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या के पीछे उनका ही असिस्टेंट

● कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री का पद संभालने से कुछ दिन पहले मई में शुभेंदु अधिकारी के पर्सनल असिस्टेंट चंद्रनाथ रथ की हत्या हो गई थी। अब पता चला है कि ये हत्या छह महीने से ज्यादा समय से चल रही एक साज़िश का नतीजा थी।

सीबीआई की जांच रिपोर्ट में खुलासा

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सीबीआई ने आईक्लाउड पर एक फ़ोटो समेत डिजिटल सबूतों का इस्तेमाल करके, सीसीटीवी फुटेज, रोड टोल और कई फ़ोन (जिसमें हुगली नदी के नीचे एक फ़ोन भी शामिल है) के बीच की कड़ियों को जोड़कर इस साज़िश का पर्दाफ़ाश किया। सीबीआई ने 7 अगस्त को बारासात में एडिशनल चीफ़ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की कोर्ट में चार्जशीट फ़ाइल की। पता चला है कि जांच में कहा गया है कि जिस आदमी ने कथित तौर पर तार खींचे थे, वह चंद्रनाथ रथ का 29 साल का असिस्टेंट सागर सोनकर था। चंद्रनाथ रथ को 6 मई को रात करीब 10 बजे कोलकाता के मध्यमग्राम में उनकी गाड़ी के अंदर गोली मार दी गई थी। उनके साथी बुद्धदेव बेरा इस हमले में घायल हो गए थे। चार्जशीट में 12 लोगों के नाम हैं, जिनमें से कृष्ण कुमार सिंह (बिहार से) को छोड़कर सभी को पकड़ लिया गया है। गिरफ्तार लोगों में सागर और उसका भाई साहेब सोनकर (दोनों कोलकाता से), उत्तर प्रदेश का रहने वाले विकास मिश्रा, विनय राय, संजय राय, ज्ञानेंद्र सिंह, राज कुमार सिंह, गोलू सिंह और नवीन कुमार सिंह और बिहार के मयंक राज मिश्रा और विक्की मौर्य शामिल है।

विजय अचानक सीएम की कुर्सी छोड़कर मंत्रियों की लाइन में बैठे

विधानसभा में टीवीके चीफ के अंदाज से हैरत में आया सदन

● चेन्नई

तमिलनाडु के सीएम जोसेफ विजय गुरुवार को विधानसभा में अहलदा अंदाज में दिखे। दोपहर के सत्र में सीएम अचानक जेसीडी प्रभाकर के दाईं ओर अपनी कुर्सी से उठकर पहली पंक्ति में मंत्रियों के पास बैठ गए। मंत्री केए सेंगोट्टैयन और आधव अर्जुन भी उनके इस अंदाज से हैरान रह गए। विधानसभा में ऐसा पहली बार हुआ।

विधानसभा के रिकॉर्ड के मुताबिक, अभी तक किसी सीएम ने परंपरा नहीं बदली और वह कभी मंत्रियों की कतार में नहीं बैठे थे। सदन के नियमों के मुताबिक,

आम तौर पर सीएम विधानसभा अध्यक्ष के पास दाईं ओर एक अलग कुर्सी पर बैठते हैं। नेता प्रतिपक्ष स्पीकर की बाईं ओर बैठते हैं। सीएम की कुर्सी अन्य मंत्रियों से अलग बड़ी होती है। मंत्री अपनी वरिष्ठता के अनुसार पहली पंक्ति में उनके बगल में अलग-अलग बैठते हैं। 234 विधायकों वाली तमिलनाडु विधानसभा में सदस्यों का स्थान पार्टी की संख्या के आधार पर तय होता है। पार्टी के नेता अग्रिम पंक्ति में बैठते हैं। फिर उप नेता और सचेतक के क्रम आता है। उनके पीछे बाकी विधायक बैठते हैं। अभी तक यह देखा गया है कि सीएम मंत्रणा के लिए सहयोगी मंत्री को अपने पास बुलाकर बात करते हैं। बताया जाता है कि आज तक ऐसा नहीं हुआ कि सीएम अपनी कुर्सी छोड़कर मंत्रियों की पंक्ति में बैठा हो। मद्रास से तमिलनाडु नाम बदलने के बाद विजय नौंवे मुख्यमंत्री हैं।

भाजपा के शासन में राक्षस बन गई है बंगाल पुलिस

ममता बनर्जी ने रक्षाबंधन पर पुलिस के अत्याचारों को रोकने का लिया संकल्प

कोलकाता, आरएनएन। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को दावा किया कि उनके शासनकाल में पुलिस का चेहरा मानवीय था, लेकिन भाजपा ने इसे एक राक्षसी संस्था में बदल दिया है। कोलकाता में टीएमसी की छात्र इकाई की एक रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि वह अपने समर्थकों पर हो रहे पुलिस के अत्याचारों को रोकेंगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर यह उनका संकल्प है। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा बंगाल में विभाजनकारी राजनीति कर रही है और लोगों के बीच डर फैलाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल कर रही है। टीएमसी सुप्रीमो ने कहा कि वह जल्द ही राज्य का दौरा शुरू करेंगी और यदि उनकी जनसभाओं की अनुमति नहीं दी गई, तो वह सड़कों पर पैदल मार्च करेंगी।

तल्खियां खत्म बाबा रामदेव ने भेजी मिठाई, कंगना बोली- रक्षाबंधन पर उनकी मिठाई और बड़े भाई का प्रेम दोनों स्वीकार करती हूं

रक्षाबंधन पर कंगना रनौत और रामदेव में 'युद्धविराम'

कंगना ने इंस्टाग्राम पर साझा किया संदेश

● नई दिल्ली

योग गुरु बाबा रामदेव और भाजपा सांसद कंगना रनौत के बीच पिछले कुछ दिनों से चल रहा विवाद अब समाप्त होता दिखाई दे रहा है। रक्षाबंधन के अवसर पर बाबा रामदेव ने कंगना रनौत को मिठाइयां और उपहार भेजकर रिश्तों में आई दूरी कम करने की कोशिश की है। इस पहल को कंगना ने भी सकारात्मक रूप से स्वीकार किया है।

बाबा रामदेव की ओर से भेजे गए उपहार और मिठाई मिलने के बाद कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम स्टोरी

पर प्रतिक्रिया दी। कंगना ने लिखा, त्योहार का दिन होता ही सब भूल-चूक माफ करने के लिए है। मेरे भाई बाबा रामदेव जी ने बहुत अच्छा कहा कि विवाद नहीं संवाद होना चाहिए। आज रक्षाबंधन के दिन मैं उनकी मिठाई और बड़े भाई का प्रेम, दोनों स्वीकार करती हूं। बहुत धन्यवाद, ईश्वर आपको लंबी आयु दे। मीडिया से बातचीत में बाबा रामदेव ने बताया कि उनके और कंगना रनौत के बीच बढ़ती कड़वाहट को देखते हुए उन्होंने यह कदम उठाया। उन्होंने कहा कि समाज और देश में किसी भी कारण से नफरत नहीं फैलनी चाहिए तथा लोगों के बीच बैर की भावना नहीं होनी चाहिए। बाबा रामदेव ने कहा, बहन कंगना रनौत को गिफ्ट और मिठाई हम बाई पोस्ट भेज रहे हैं। किसी भी कारण से देश में नफरत नहीं होनी चाहिए और न ही एक दूसरे के प्रति बैर की भावना होनी चाहिए। इसलिए हमने बैर का परित्याग कर दिया है। रक्षाबंधन के अवसर पर दोनों पक्षों की ओर से आए संदेश ने यह संकेत दिया है कि पिछले दिनों पैदा हुई तल्खियां अब खत्म होने की ओर हैं। बाबा रामदेव ने संवाद और सौहार्द का संदेश दिया, जबकि कंगना रनौत ने उनके स्नेह को बड़े भाई का प्रेम बताकर स्वीकार किया।

जानें कैसे शुरू हुआ था विवाद

दरअसल, योग गुरु बाबा रामदेव और भाजपा सांसद कंगना रनौत के बीच विवाद कंगना के जेन-जी प्रदर्शनकारियों को गटर जेनरेशन/गटरछाप कहने वाले बयान से शुरू हुआ था। एक टीवी कार्यक्रम के दौरान बाबा रामदेव ने कंगना के इस बयान की कड़ी आलोचना की थी। रामदेव ने कहा था कि किसी युवा पीढ़ी को ऐसा कहना बिगड़े हुए दिमाग की निशानी है और उन्होंने कंगना के अतीत, बचपन व जवानी पर सवाल उठाए थे। बाबा रामदेव के इस बयान पर कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि बाबा रामदेव उनकी जवानी या बेडरूम के बारे में दिन में सपने देखना छोड़ दें। कंगना ने यह भी कहा कि उन पर कभी फर्जी मेडिकल दावों या कानूनी फजीहत का दाग नहीं लगा है। इसके बाद बाबा रामदेव ने पत्रकारों से बातचीत में इस पर संक्षिप्त प्रतिक्रिया दी और कहा कि वह ऐसे ओछे लोगों पर कोई और टिप्पणी कर इस विवाद को तूल नहीं देना चाहते।

चांग गेट चौकी के पास आचार संहिता को ठेंगा!

दीवार पर अब भी प्रचार सामग्री, प्रशासन की निगरानी पर सवाल

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। नगर निकाय चुनाव को लेकर शहर में आचार संहिता लागू है और प्रशासन की ओर से इसकी सख्ती से पालना के दावे किए जा रहे हैं। लेकिन ब्यावर के प्रमुख चांग गेट क्षेत्र में इन दावों की हकीकत कुछ और ही नजर आ रही है। पुलिस चौकी से सटी दीवार पर आज भी प्रचार सामग्री दिखाई दे रही है, जो चुनावी आचार संहिता की पालना को लेकर प्रशासनिक निगरानी पर सवाल खड़े कर रही है। चांग गेट शहर का प्रमुख और व्यस्त क्षेत्र है। यहां पुलिस चौकी के ठीक पास दीवार पर प्रचार सामग्री का लगा होना अपने आप में गंभीर सवाल खड़ा करता है। चुनाव की घोषणा के साथ ही सार्वजनिक स्थानों, सरकारी परिसरों एवं अन्य स्थानों से चुनाव संबंधी प्रचार सामग्री हटाने की जिम्मेदारी संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों की है। इसके बावजूद यह सामग्री अब तक नजर आना कार्रवाई और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है।

पुलिस चौकी के सामने ही नहीं पड़ी नजर?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस स्थान पर पुलिस चौकी स्थित है और जहां दिनभर लोगों की आवाजाही रहती है, वहां लगी प्रचार सामग्री जिम्मेदार अधिकारियों की नजर से कैसे बची रही। शहर में आचार संहिता की पालना को लेकर लगातार निगरानी का दावा किया जा रहा है, लेकिन चांग गेट की यह तस्वीर जमीनी हकीकत सामने ला रही है।

कार्रवाई का इंतजार

अब देखने वाली बात यह है कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रचार सामग्री हटाने के साथ जिम्मेदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करता है या फिर आचार संहिता के उल्लंघन का यह मामला भी कागजी कार्रवाई तक सीमित रह जाता है। चुनावी माहौल में प्रशासन के लिए आचार संहिता की निष्पक्ष और प्रभावी पालना सुनिश्चित करना बड़ी चुनौती है।

'हनुमान अंश' का बॉक्स ऑफिस पर चमत्कार!

2 करोड़ के बजट में बनी फिल्म ने कमाए 12 करोड़

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा, । महान संत नीम करोली बाबा के जीवन और हनुमान जी के प्रति उनकी अटूट आस्था पर आधारित फिल्म 'हनुमान अंश' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। 31 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म ने अब तक करीब 12 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। खास बात यह है कि फिल्म का बजट करीब 1.8 से 2 करोड़ रुपये बताया गया है। फिल्म की इस सफलता में बिजोलिया के डीआई (DI) कलरिस्ट रवि के. पाराशर की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। फिल्म की डीआई कलरिस्ट टीम में रवि के. पाराशर और वैभव वामन शामिल हैं। फिल्म की कलर ग्रेडिंग का काम मुख्य रूप से प्रसाद लैब और स्टूडियो उन्नीस द्वारा किया गया।

तीसरे सप्ताह में आया जबरदस्त उछाल

उपलब्ध जानकारी के अनुसार फिल्म ने रिलीज के शुरुआती दौर में करीब 10 लाख रुपये की कमाई की। पहले सप्ताह में फिल्म का कलेक्शन करीब 1.08 करोड़ रुपये रहा, जबकि दूसरे सप्ताह में करीब 40 लाख रुपये की कमाई हुई। तीसरे सप्ताह में फिल्म की कमाई में अचानक बड़ा उछाल देखने को मिला और करीब 10.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन हुआ। सोशल मीडिया पर भी फिल्म को लेकर दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रियाएं सामने आईं।

नीम करोली बाबा और हनुमान भक्ति पर आधारित है फिल्म

डीआई कलरिस्ट रवि पाराशर ने बताया कि 'हनुमान अंश' महान संत नीम करोली बाबा के जीवन और भगवान हनुमान के प्रति उनकी अटूट आस्था पर आधारित फिल्म है। फिल्म का निर्देशन विशाल चतुर्वेदी ने किया है। करीब दो करोड़ रुपये के बजट में तैयार हुई फिल्म का 12 करोड़ रुपये तक पहुंचा कलेक्शन इसे बॉक्स ऑफिस पर खास सफलता दिलाने वाला साबित हुआ है। फिल्म की सफलता से जुड़े आंकड़े फिल्म की टीम द्वारा साझा जानकारी पर आधारित हैं।

मालीखेड़ा मार्ग पर बाहले में मिला 50 वर्षीय व्यक्ति का शव क्षेत्र में फैली सनसनी

ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस, शव को बाहर निकलवाकर मोर्चरी में रखवाया शनिवार सुबह होगा पोस्टमार्टम

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा /अरनिया घोड़ा के समीप मालीखेड़ा जाने वाले मार्ग पर शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब सड़क किनारे स्थितएक बाहले में करीब 50 वर्षीय व्यक्ति का शव पड़ा मिला। शव मिलने की सूचना क्षेत्र में तेजी से फैलने पर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को बाहले से बाहर निकलवाया। मृतक की पहचान माताजी का खेड़ा निवासी छोटू उर्फ बालू भील (50) के रूप में हुई है। शव की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया तथा आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस टीम एएसआई गोपाल के नेतृत्व में मौके पर पहुंची। टीम में महावीर, राजवीर, चालक किशन तथा गोपाल खींची शामिल रहे। पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से शव को बाहले से बाहर निकलवाया और इसके बाद उसे शाहपुरा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। फिलहाल व्यक्ति की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसे लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। शनिवार सुबह शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा परिजनों की ओर से दी जाने वाली रिपोर्ट के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस ने घटना के संबंध में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं शव मिलने की घटना को लेकर आसपास के क्षेत्र में दिनभर चर्चा का माहौल रहा।

मौत के बाद भी धड़कता रहेगा दिल, रोशन होंगी आंखें... खामोर के वैष्णव परिवार के 7 सदस्यों ने लिया अंगदान का संकल्प

एएनएम पूजा की प्रेरणा से परिवार ने उठाया कदम, पत्रकार किशन वैष्णव ने हार्ट समेत उपयोगी अंगदान की जताई इच्छा

स्मार्ट हलचल

खामोर, । जीवन भर परिवार और समाज के लिए योगदान देने वाले लोग बहुत होते हैं, लेकिन मृत्यु के बाद भी किसी जरूरतमंद के जीवन में उम्मीद बनकर जीवित रहने का संकल्प विरले ही लोग लेते हैं। खामोर के वैष्णव समाज के एक परिवार के सात सदस्यों ने अंगदान का संकल्प लेकर मानव सेवा की अनूठी मिसाल पेश की है। खामोर निवासी कारसेवक एवं आयुर्वेद विभाग से सेवानिवृत्त कर्मचारी मुरली मनोहर वैष्णव के परिवार के सात सदस्यों ने मृत्यु के बाद अंगदान का संकल्प लिया है। परिवार की सदस्य एवं स्वास्थ्य विभाग में एएनएम के पद पर कार्यरत पूजा देवी वैष्णव की प्रेरणा से सुभाष चंद्र वैष्णव, उनकी पत्नी अनीता देवी वैष्णव, पूजा देवी, उनके पति शिव कुमार वैष्णव, सरिता देवी एवं उनके पति दुर्गालाल वैष्णव तथा पत्रकार किशन वैष्णव ने अंगदान के लिए संकल्प लिया।

सुभाष चंद्र-अनीता और सरिता-दुर्गालाल सहित परिवार के सदस्यों ने ऑर्गन डोनेशन सर्टिफिकेट प्राप्त कर मृत्यु के बाद अंगदान का संकल्प लिया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार प्रमाणपत्रों में विशेष रूप से कॉर्निया यानी नेत्रदान की सहमति दर्ज है। वहीं पत्रकार किशन वैष्णव ने हार्ट समेत अपने उपयोगी अंगों को मृत्यु के बाद दान करने की इच्छा जताई है।

परिवार का मानना है कि मृत्यु के बाद शरीर पंचतत्व में विलीन हो जाता है, लेकिन यदि शरीर का कोई अंग किसी जरूरतमंद के काम आ सके और किसी की जिंदगी में रोशनी या नई उम्मीद ला सके तो इससे बड़ी मानव सेवा कोई नहीं हो सकती।

एएनएम पूजा की प्रेरणा से शुरू हुई पहल

परिवार की इस पहल को आगे बढ़ाने में स्वास्थ्य विभाग में एएनएम के रूप में कार्यरत पूजा वैष्णव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने स्वयं अंगदान का संकल्प लेकर परिवार के अन्य सदस्यों को भी इसके लिए प्रेरित किया। उनके अनुसार स्वास्थ्य सेवा केवल नौकरी तक सीमित नहीं है, बल्कि मानवता और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी इससे जुड़ा है। ग्रामीण क्षेत्रों में अंगदान को लेकर जागरूकता की जरूरत है। ऐसे में स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी पूजा वैष्णव का स्वयं आगे आना और परिवार को प्रेरित करना अन्य लोगों के लिए भी जागरूकता का संदेश है।

पत्रकार किशन ने हार्ट समेत अंगदान की इच्छा जताई

परिवार के सबसे छोटे बेटे और पत्रकार किशन वैष्णव ने हार्ट समेत अपने उपयोगी अंगों को मृत्यु के बाद दान करने की इच्छा जताई है। उनका कहना है कि अंगदान केवल खबर लिखने का विषय नहीं, बल्कि स्वयं आगे बढ़कर उदाहरण प्रस्तुत करने का विषय भी है। उनका मानना है कि मृत्यु के बाद शरीर को पंचतत्व में विलीन होना है, ऐसे में उसके किसी उपयोगी हिस्से से किसी दूसरे व्यक्ति को जीवन या रोशनी मिल सके तो इससे बेहतर सामाजिक योगदान नहीं हो सकता।

एक परिवार ने तोड़ी झिझक

अंगदान को लेकर समाज में आज भी कई तरह की भ्रांतियां और झिझक देखने को मिलती है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में लोग अंगदान की प्रक्रिया और उससे जुड़ी व्यवस्थाओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं रखते। ऐसे में एक ही परिवार के सात सदस्यों का संकल्प अंगदान के प्रति जागरूकता का महत्वपूर्ण संदेश देता है। वैष्णव परिवार की यह पहल किसी बड़े आयोजन से नहीं, बल्कि परिवार के भीतर से शुरू हुई। एक सदस्य के संकल्प के बाद दूसरे सदस्यों ने भी कदम बढ़ाया और देखते ही देखते यह परिवार की साझा सोच बन गई।

मृत्यु के बाद भी मानव सेवा का संदेश

अंगदान का संकल्प इस सोच को सामने रखता है कि इंसान की जिंदगी खत्म हो सकती है, लेकिन उसकी सेवा की भावना आगे भी जीवित रह सकती है। किसी की आंखें किसी जरूरतमंद के लिए रोशनी की उम्मीद बन सकती हैं और अन्य उपयोगी अंग किसी दूसरे व्यक्ति के जीवन में नई उम्मीद जगा सकते हैं। खामोर के इस वैष्णव परिवार के सात सदस्यों का अंगदान संकल्प समाज के लिए एक संदेश है कि सही जानकारी और इच्छाशक्ति के साथ मृत्यु के बाद भी मानव सेवा का रास्ता चुना जा सकता है।

महापौर टिकट को लेकर भाजपा में घमासान, महिला कार्यकर्ताओं की अनदेखी पर भाजपा में उठे विरोध के स्वर

पुरुष कार्यकर्ताओं की पत्नियों के बजाय सक्रिय महिला कार्यकर्ताओं को टिकट देने की मांग, पुर्व सभापति मंजू चेचाणी सहित अन्य ने दी आत्मदाह की चेतावनी

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / नगर निगम चुनाव में महापौर पद सामान्य महिला के लिए आरक्षित होने के बाद भाजपा में महिला दावेदारों की सक्रियता बढ़ गई है। टिकट वितरण को लेकर अब पार्टी के भीतर असंतोष भी खुलकर सामने आने लगा है। इसी बीच शुक्रवार को भाजपा कार्यालय के बाहर महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने टिकट वितरण में कथित अनदेखी को लेकर विरोध कर पार्टी नेतृत्व के समक्ष अपनी नाराजगी जाहिर की। महिला कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि संगठन में वर्षों से सक्रिय महिलाओं के बजाय पुरुष कार्यकर्ताओं की पत्नियों को टिकट देने में प्राथमिकता दी जा रही है। नगर परिषद की पूर्व सभापति मंजू चेचाणी ने कहा कि महिला मोर्चा की मांग स्पष्ट है कि नगर निकाय चुनाव में महापौर पद पर किसी पुरुष कार्यकर्ता की पत्नी के बजाय पार्टी की सक्रिय महिला कार्यकर्ता को अवसर दिया जाए। उन्होंने कहा कि वार्डों से टिकट की दावेदारी कर रही महिला कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। महापौर पद पर भी महिला मोर्चा की सक्रिय और सामान्य महिला कार्यकर्ता को मौका दिया जाना चाहिए। चेचाणी ने कहा कि महिला कार्यकर्ता वर्षों से संगठन के लिए मेहनत कर रही हैं, ऐसे में टिकट वितरण में उनकी उपेक्षा उचित नहीं है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उनकी मांग पर शनिवार दोपहर 3 बजे तक निर्णय नहीं लिया गया तो वह महिला कार्यकर्ताओं के हक के लिए आत्मदाह करने को मजबूर होंगी। महिला मोर्चा की पूर्व जिलाध्यक्ष रेखापुरी गोस्वामी ने कहा कि वह पिछले 25 वर्षों से भाजपा के लिए कार्य कर रही हैं और महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी भी निभा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि संगठन में पूरी निष्ठा से काम करने के साथ प्रदेश स्तर पर भी दो बार जिम्मेदारी निभाई है। जब भी टिकट वितरण का समय आता है, महिला कार्यकर्ताओं को उम्मीद रहती है कि इस बार उन्हें अवसर मिलेगा, लेकिन हर बार किसी अन्य को मौका दे दिया जाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण की बात करती है, लेकिन जब महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने का अवसर आता है तो वर्षों से संगठन में मेहनत कर रही महिला कार्यकर्ताओं की अनदेखी की जाती है। उन्होंने कहा कि महिला कार्यकर्ता पांच-पांच साल तक संगठन के लिए मेहनत करती हैं और उम्मीद रखती हैं कि उन्हें चुनाव लड़ने का अवसर मिलेगा, लेकिन बार-बार निराशा हाथ लगती है। टिकट वितरण को लेकर महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं में आक्रोश के साथ गहरी पीड़ा है। विरोध प्रदर्शन के दौरान मंजू पालीवाल, ज्योति आशीर्वाद, शोभिका जागेटिया, निशा जैन, इंदु टाक, अनुराधा कंवर, दीपा सोनी, सीमा चौधरी, शिखा नवल जागेटिया, लक्ष्मी कंवर राणावत सहित कई महिला पुरूष कार्यकर्ता मौजूद रहे। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने कहा कि नगर निगम चुनाव में अभी किसी भी वार्ड का टिकट अंतिम नहीं हुआ है। वार्डवार पैनल बनाए गए हैं। कार्यकर्ताओं और मातृशक्ति की भावनाओं व शिकायतों को गंभीरता से सुनकर संगठन के वरिष्ठ स्तर तक पहुंचाया गया है। टिकट चयन में सर्वे, कार्यकर्ताओं की राय, सामाजिक संतुलन और संगठन की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया जाएगा। लोकतंत्र में हर कार्यकर्ता को अपनी बात रखने का अधिकार है। संगठन की जिम्मेदारी है कि कार्यकर्ताओं के मान-सम्मान का ध्यान रखा जाए। हम सभी की बात उचित स्तर तक पहुंचाकर समाधान निकालने का प्रयास करेंगे।

ईदमिलादुन्नबी पर्व अमन,भाईचारा,शांति कायम रखने का देता है पैगाम

स्मार्ट हलचल

काछोला -ईद मिलादुन्नबी पर्व को लेकर काछोला जामा मस्जिद के पेश इमाम मौलाना मोहम्मद शाह आलम ने कहा कि हमारे नबी मोहम्मद सअव ने पूरी दुनिया में नफरत दूर कर अमन,भाईचारा,शांति का पैगाम देता है उन्होंने लोगो को संदेश दिया कि हमें सच्चाई और ईमानदारी से जीवन यापन करना चाहिए और प्रेम,मुहब्बत,भाईचारे के साथ जरूरतमंदों की खिदमत करे।वही मोलाना शाह आलम ने पैग़म्बरे इस्लाम के पैगाम को आगे बढ़ाते हुए कहा कि पूरे समाज में। प्रेम,भाईचारा,इंसानियत और आपसी सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया और कहा कि पैगम्बर साहब की शिक्षा इंसानियत के लिए मार्गदर्शन है।इस मौके पर हाजी शरीफ मोहम्मद मंसूरी,हाजी मोहम्मद हासम लजवान,कमालुद्दीन रंगरेज,हाजी मोहम्मद साबिर रंगरेज,हाजी बाबू मेवाती,हाजी रमजान अलीबिसायती,मोहम्मद युनुस रंगरेज,रफीक मंसूरी,फारूक बागवान,मुबारिक मंसूरी,बाबू शाह,सद्दीक लजवान,मुबारिक रंगरेज सहित आदि उपस्थित थे।वही धोलाई वाले बाबा की दरगाह पर थाना प्रभारी बालकिशन शर्मा सहित सभी अतिथियों का स्वागत किया।

जब जोबनेर थाने में गूंजी बहनों की खिलखिलाहट, खाकी की कलाई पर सजा रिश्तों का रक्षासूत्र

घर से दूर थे खाकी के भाई, बहनों ने थाने पहुंचकर बांधा प्यार का रक्षा सूत्र

स्मार्ट हलचल

अ जोबनेर-रक्षाबंधन के पावन पर्व पर जोबनेर थाने में भाई-बहन के प्रेम और अपनत्व का भावुक नजारा देखने को मिला। ड्यूटी के चलते अपने परिवार से दूर रहकर क्षेत्र की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों को रक्षाबंधन के दिनघर की कमी महसूस न हो, इसी भावना के साथ विश्व हिंदू परिषद दुर्गा वाहिनी की ओर से विशेष आयोजन किया गया। दुर्गा वाहिनी संयोजिका ज्योति कुमावत के नेतृत्व में कार्यकर्ता जोबनेर थाने पहुंचे और थाना अधिकारी मोतीलाल शर्मा सहित पुलिस स्टाफ की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन मनाया। बहनों ने पुलिसकर्मियों को तिलक लगाया, राखी बांधी और उनकी सुख-समृद्धि एवं दीर्घायु की कामना की। वहीं पुलिसकर्मियों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर उनके सम्मान और सुरक्षा का भरोसा दिलाया।

राखी बंधवाते समय पुलिस जवानों के चेहरे पर खुशी साफ नजर आई। त्योहार के दिन घर-परिवार से दूर ड्यूटी कर रहे जवानों को थाने में ही बहनों का स्नेह और परिवार जैसा अपनापन मिला। कुछ पल के लिए ऐसा लगा मानो थाने की वर्दी के बीच घर-आंगन की खुशियां उतर आई हों। हंसी-खुशी और आत्मीयता के माहौल में मनाया गया यह रक्षाबंधन पुलिसकर्मियों के लिए यादगार बन गया।

इस अवसर पर स्वयंसेवक राजेंद्र अग्रवाल, गिरधारी मामोडिया, विजय कुमावत, रवि शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। दुर्गा वाहिनी कार्यकर्ताओं ने कहा कि पुलिसकर्मी त्योहारों और विशेष अवसरों पर भी अपने परिवार से दूर रहकर आमजन की सुरक्षा में जुटे रहते हैं। ऐसे में उनके साथ रक्षाबंधन मनाकर उन्हें यह एहसास कराना उद्देश्य है कि समाज भी उनके साथ एक परिवार की तरह खड़ा है।

रक्षाबंधन का यह आयोजन भाई-बहन के रिश्ते के साथ सुरक्षा, सम्मान और विश्वास के सामाजिक रिश्ते का भी संदेश दे गया। पुलिसकर्मियों ने बहनों को भरोसा दिलाया कि क्षेत्र की प्रत्येक बेटी और महिला की सुरक्षा एवं सम्मान के लिए पुलिस सदैव तत्पर रहेगी। साथ ही पुलिस ने आमजन को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने और अपराधों पर अंकुश लगाने में सहयोग की अपील की।

महिलाओं के सम्मान में आरटीएम ने आज अपनापन दिखाते हुए रक्षाबंधन के पर्व पर मिल की 600 महिला श्रमिकों को साड़ियां वितरण की.

स्मार्ट हलचल

रणवीर सिंह चौहान. भवानी मंडी रक्षाबंधन के पावन पर्व पर आज स्थानीय औद्योगिक इकाई राजस्थान टैक्सटाइल मिल ने अपनी लगभग 600 महिला श्रमिकों को सम्मान और अपनापन की भावना के चलते साड़ियां वितरण की. आरटीएम के कार्यकारी अध्यक्ष रोहित अरोड़ा ने बताया कि रक्षाबंधन का पावन पर्व महिलाओं के सम्मान का पर्व है आज से पूर्व और फैक्ट्री में रक्षाबंधन पर महिलाओं के लिए कोई विशेष व्यवस्था नहीं थी प्रबंधन टीम ने अपनापन दिखाते हुए फैक्ट्री में कार्य कर रहे लगभग 27 परसेंट जो की महिला श्रमिक है जिनकी संख्या लगभग 600 है उनको सभी को एक-एक साड़ियां वितरण की वितरण के दौरान महिलाओं ने इस सम्मान की सराहना की आज से पहले रक्षाबंधन पर्व पर प्रबंधन टीम द्वारा इस तरह की कोई पहल नहीं हुई थी कार्यकारी अध्यक्ष रोहित अरोड़ा ने बताया कि प्रबंधन टीम का मानना है कि इस अपनापन से महिला श्रमिकों में एक अच्छा संदेश जाएगा प्रबंधकों के प्रति उनकी अनुशासन की भावना जागृत होगी इससे वह फैक्ट्री में और सकारात्मक ऊर्जा के साथ काम कर सकेंगे जिससे फैक्ट्री में उत्पादन अच्छा होगा आरटीएम की इस पहल की नगर में भी वरिष्ठ लोगों ने सराहना की है

दतवास पुलिस ने खोला 2 करोड़ की साइबर ठगी का राज-11 आरोपी गिरफ्तार,

396 फर्जी सिम, 12 मोबाइल, लैपटॉप, 5 एटीएम कार्ड, 3 वाहन और 37 हजार 210 रुपये नकद बरामद

स्मार्ट हलचल

टोंक/निवाई। निवाई सर्कल क्षेत्र की दतवास थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) टोंक ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी के बड़े नेटवर्क का खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में आरोपियों द्वारा देशभर में करीब 2 करोड़ रुपये की साइबर ठगी किए जाने का खुलासा हुआ है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से बड़ी संख्या में मोबाइल फोन, फर्जी सिम कार्ड और अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों के कब्जे से 12 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, पांच एटीएम कार्ड, तीन वाहन तथा 37 हजार 210 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। जांच में आरोपियों द्वारा करीब 396 फर्जी सिम कार्ड का इस्तेमाल किए जाने की बात भी सामने आई है।

देशभर में 81 ऑनलाइन शिकायतें मिलीं

दतवास थाना प्रभारी सुश्री निरमा मीणा (उप निरीक्षक) ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ देशभर से साइबर अपराध शिकायत पोर्टल (NCRP) पर 81 ऑनलाइन शिकायतें दर्ज मिली हैं। अब पुलिस इन शिकायतों का सत्यापन कर वास्तविक ठगी की राशि और पीड़ितों की संख्या का पता लगाने में जुटी है।

चार साल से साइबर ठगी नेटवर्क में सक्रिय

प्रारंभिक पुलिस जांच के अनुसार आरोपी करीब चार वर्षों से साइबर ठगी के नेटवर्क में सक्रिय थे। आरोपियों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, विशेषकर व्हाट्सऐप और इंस्टाग्राम, के माध्यम से लोगों से संपर्क किया जाता था। इसके बाद उन्हें मोटी रकम कमाने अथवा ऑनलाइन निवेश में बड़ा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर ठगी के जाल में फंसाया जाता था। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों द्वारा फर्जी फोनपे (PhonePe) ऐप और फर्जी इन्वेस्टमेंट लिंक का इस्तेमाल किया जाता था। लोगों को ऑनलाइन निवेश में भारी मुनाफे का लालच देकर अलग-अलग बैंक खातों में रकम ट्रांसफर करवाई जाती थी।

11 आरोपी पुलिस हिरासत में

डीएसटी टीम टोंक और दतवास थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने सभी 11 आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। साइबर ठगी से जुड़े तथ्य सामने आने के बाद दतवास थाने में मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब आरोपियों के बैंक खातों, सिम कार्ड, सोशल मीडिया अकाउंट और ठगी की रकम के लेनदेन की गहन जांच कर रही है।

ये आरोपी हुए गिरफ्तार

पुलिस के अनुसार कार्रवाई में अंशुमान (22) पुत्र रामप्रकाश मीणा, निवासी अलीगढ़, (टोंक), नमोनारायण (21) पुत्र रामस्वरूप मीणा, सोनू (22) पुत्र रमेशचंद मीणा, विजेन्द्र (28) पुत्र घनश्याम मीणा, राहुल (29) पुत्र चौथमल, महेश (28) पुत्र चौथमल, मनीष (24) पुत्र हनुमान, अरविन्द (25) पुत्र जगदीश मीणा, सौरभ (23) पुत्र रमेश मीणा, रितेश (18) पुत्र रामस्वरूप मीणा, रोहित (20) पुत्र लड्डू लाल मीणा, निवासी पचाला, थाना अलीगढ़, जिला टोंक को गिरफ्तार किया गया है।

बरामद सामान से खुली नेटवर्क की परतें

पुलिस के अनुसार बरामद 12 मोबाइल फोन और एक लैपटॉप की तकनीकी जांच कर साइबर ठगी के नेटवर्क, आरोपियों के संपर्क में रहे लोगों और पैसों के लेनदेन से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिलने की संभावना है। करीब 2 करोड़ रुपये की कथित ठगी और 81 ऑनलाइन शिकायतों के बाद पुलिस अब नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने में जुटी है।

थाना सदर की कार्रवाई, 40.385 किलो डोडाचूरा जब्त

स्वीप्ट कार से मादक पदार्थ का परिवहन करते युवक गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा, । थाना सदर पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 40 किलो 385 ग्राम अवैध डोडाचूरा जब्त किया है। पुलिस ने डोडाचूरा परिवहन में प्रयुक्त स्वीप्ट कार को भी जब्त कर एक युवक को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय राजेश आर्य के निर्देशन तथा वृत्ताधिकारी सदर अंजली सिंह के सुपरविजन में थाना सदर पुलिस की विशेष टीम ने यह कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार 27 अगस्त 2026 को गश्त के दौरान आकोला चौराहे के पास एक सफेद रंग की स्वीप्ट कार संदिग्ध अवस्था में मिली। कार को रोककर जांच की गई तो उसकी डिग्गी में दो काले रंग के प्लास्टिक कट्टे मिले। जांच करने पर दोनों कट्टों में अफीम डोडा पोस्त होना पाया गया। पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक कांटे से दोनों कट्टों में भरे डोडाचूरा का वजन किया, जो कुल 40 किलो 385 ग्राम पाया गया। पुलिस के अनुसार कार चालक के पास डोडाचूरा के परिवहन के संबंध में कोई लाइसेंस अथवा परमिट नहीं था। पुलिस ने मादक पदार्थ एवं स्वीप्ट कार को जब्त कर आरोपी के खिलाफ थाना सदर में प्रकरण संख्या 172/2026, धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राधेश्याम पुत्र रामाराम सरगरा, उम्र 34 वर्ष, निवासी मेघवालों का बास, बीसलपुर, थाना डांगियावास, जिला जोधपुर के रूप में हुई है। कार्रवाई में थाना सदर एवं डीएसटी की टीम शामिल रही। पुलिस के अनुसार कार्रवाई में डीएसटी के हेड कांस्टेबल विजय सिंह का विशेष योगदान रहा।

कचरे के विवाद में खूनी संघर्ष-बुजुर्ग की मौत,

लाठी-डंडों से मारपीट में दोनों पक्षों के कई लोग घायल, 5-6 लोग हिरासत में; गांव में पुलिस तैनात

स्मार्ट हलचल

टोंक/पीपलू। बरोनी थाना क्षेत्र के पीतावास गांव में बुधवार शाम कचरा डालने की बात को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया और दोनों पक्षों में लाठी-डंडों से जमकर मारपीट हुई। घटना में गंभीर चोट लगने से हीरालाल गुर्जर (62) की मौत हो गई, जबकि दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। घटना के बाद गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है।

सफाई अभियान के बाद जमा हुआ था कचरा

जानकारी के अनुसार, पंचायत प्रशासन की ओर से बुधवार को पीतावास गांव में सफाई अभियान चलाया गया था। सफाई के बाद निकला कचरा एक पक्ष के घर के बाहर जमा रह गया। इसे लेकर मकान मालिक हीरालाल गुर्जर ने नाराजगी जताई और पड़ोसियों पर घर के बाहर गंदगी फैलाने का आरोप लगाया। इसी बात को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और विवाद बढ़ गया। मारपीट में कई घायल विवाद के दौरान हुई मारपीट में हीरालाल गुर्जर के अलावा उनके बेटे रामकुंवार और भतीजे महावीर घायल हुए। वहीं दूसरे पक्ष से राजाराम (50), पाना देवी और नीरू के घायल होने की जानकारी सामने आई है। सभी घायलों को उपचार के लिए राजकीय सआदत अस्पताल ले जाया गया। गंभीर चोट लगने से हीरालाल की मौत हो गई।

आधा दर्जन करीब लोग पुलिस हिरासत में

घटना की सूचना पर बरोनी थाना प्रभारी जयमल सिंह राठौड़ पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे। बाद में पुलिस अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर घायलों एवं मृतक के परिजनों से जानकारी ली। थाना प्रभारी के अनुसार, घटना के बाद 5 से 6 लोगों को हिरासत में लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर मामले में नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने एहतियात के तौर पर पीतावास गांव में सुरक्षा जाप्ता तैनात कर दिया है और मामले की जांच जारी है।

भक्ति और भाई-बहन के प्रेम से सजे मंदिर, राखियों से सजा भगवान का दरबार

भगवान का हुआ अनूठा श्रृंगार, राखियों की छटा से निखरे मंदिर, रक्षाबंधन पर भक्तों ने अर्पित की राखियां, विशेष श्रृंगार के हुए दर्शन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । भाई-बहन के प्रेम के पर्व रक्षाबंधन की खुशियां मंदिरों तक भी पहुंचीं। शहर के विभिन्न मंदिरों में भगवान को रंग-बिरंगी राखियां अर्पित कर विशेष श्रृंगार किया गया। सजे-धजे विग्रहों के दर्शन के लिए श्रद्धालु मंदिरों में पहुंचे और पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। आकर्षक राखियों, फूलों और रंग-बिरंगी सजावट से सजे मंदिर श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। भगवान के श्रृंगार के दर्शन के लिए दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही और मंदिर परिसर जयकारों से गूंजते रहे। शहर के चारभुजानाथ बडा मंदिर में ठाकुरजी का आकर्षक श्रृंगार किया गया। इस अवसर पर चारभुजा नाथ को चांदी एवं रत्न जड़ित विशेष पोशाक धारण करवाई गई। सुंदर आभूषणों और मनमोहक श्रृंगार से सजे भगवान चारभुजा नाथ के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहा। पुजारी विकास पाराशर एवं मनीष पाराशर ने बताया कि रक्षाबंधन के अवसर पर भगवान चारभुजा नाथ को विशेष रूप से 'सेठ जी' का स्वरूप प्रदान किया गया। चांदी और रत्न जड़ित पोशाक में सजे ठाकुरजी की मनमोहक झांकी ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। मंदिर में दिनभर भक्तों की आवाजाही रही और श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। वही दादाबाड़ी क्षेत्र में स्थित पंचमुखी मोक्षधाम में श्री मसानिया भैरुनाथ मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। रक्षाबंधन के अवसर पर बाबा मसानिया भैरुनाथ का रंग-बिरंगी राखियों से विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर परिसर में बाबा का आकर्षक श्रृंगार श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। मंदिर के पुजारी संतोष कुमार खटिक ने बताया कि बाबा के विशेष श्रृंगार के लिए कोलकत्ता, जयपुर, सूरत और अहमदाबाद से विशेष रूप से राखियां मंगवाई गई थीं। विभिन्न रंगों और डिजाइनों की राखियों से बाबा का भव्य श्रृंगार किया गया। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं आरती की गई। तथा श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर ट्रस्ट की ओर से भोपालगंज स्थित प्राचीन श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में भगवान का अलौकिक एवं भव्य श्रृंगार किया गया। ट्रस्टी ओम प्रकाश अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर प्रभु के मनमोहक रूप के दर्शन के लिए दिनभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। भगवान श्री लक्ष्मी नारायणजी को अत्यंत कलात्मक और मनमोहक पोशाक धारण कराई गई है। दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं ने प्रभु के इस अलौकिक रूप की भूरि-भूरि प्रशंसा की। सांगानेर स्थित 'श्री सिंदरी के बालाजी महाराज' का विशेष एवं मनोहारी श्रृंगार किया गया। मुख्य पुजारी गोपाल लाल पारीक ने बताया' कि बालाजी महाराज को आकर्षक एवं रंग-बिरंगे वस्त्रों से सुशोभित कर भव्य मुकुट, आभूषण एवं विविध श्रृंगार धारण करवाया गया। मंदिर परिसर में विशेष पुष्प सज्जा भी की गई, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा। 'श्रृंगारकर्ता क्षितिज पारीक' द्वारा बालाजी महाराज का यह मनोहारी श्रृंगार किया गया। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर भगवान को राखियां अर्पित कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की गई। विशेष श्रृंगार के बाद मंदिरों में पूजा-अर्चना, आरती और प्रसाद वितरण के आयोजन भी हुए। श्रद्धालुओं ने भगवान के मनोहारी स्वरूप के दर्शन कर धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया।

राखी की डोर में बंधा भाई-बहन का प्यार, ब्यावर में धूमधाम से मना रक्षाबंधन

सुबह से बाजारों में रही रौनक, बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधी स्नेह की राखी

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। भाई-बहन के पवित्र रिश्ते और अटूट प्रेम का पर्व रक्षाबंधन शुक्रवार को ब्यावर शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में पर्व की तैयारियां शुरू हो गईं। बहनों ने भाइयों का तिलक कर आरती उतारी और कलाई पर राखी बांधकर उनके सुखी एवं मंगलमय जीवन की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को मिठाई खिलाकर उपहार भेंट किए। रक्षाबंधन को लेकर ब्यावर के बाजारों में कई दिनों से रौनक बनी हुई थी। शुक्रवार को भी राखी, मिठाई और उपहारों की दुकानों पर लोगों की भीड़ दिखाई दी। रंग-बिरंगी राखियों से सजी दुकानें आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। बहनें भाइयों के लिए मनपसंद राखी तलाशती नजर आईं, वहीं बच्चों में भी पर्व को लेकर खास उत्साह रहा।

राखी के साथ सजे उपहारों के बाजार

राखियों के साथ मिठाई और उपहारों की दुकानों पर भी अच्छी चहल-पहल रही। बहनों ने राखी के साथ भाइयों के लिए मिठाई और पसंदीदा उपहार खरीदे। बाजारों में जगह-जगह सजी राखियों की दुकानों ने पर्व की रौनक बढ़ा दी।

मायके पहुंचीं बहनें, परिवारों में लौटी रौनक

रक्षाबंधन के अवसर पर दूर-दराज रहने वाली कई बहनें अपने मायके पहुंचीं। वहीं भाई भी बहनों के घर राखी बंधवाने पहुंचे। लंबे समय बाद परिवार के सदस्यों के एक साथ मिलने से घरों में खुशियों का माहौल रहा। घरों में पकवान बनाए गए और पूजा की थाली सजाकर पारंपरिक तरीके से रक्षाबंधन मनाया गया। पर्व के चलते बसों और अन्य वाहनों में भी आवागमन बढ़ा रहा। शहर से लेकर गांवों तक रक्षाबंधन की रौनक देखने को मिली। राखी बांधने के बाद भाई-बहनों ने एक-दूसरे के साथ समय बिताया और पुरानी यादें साझा कीं। रक्षाबंधन ने एक बार फिर भाई-बहन के रिश्ते में बसे प्रेम, विश्वास और अपनत्व को जीवंत कर दिया।

सीमा के रखवालों को ब्यावर की बहनों ने पिपलाज टोल पर बांधी राखी, आंखों में खुशी और दिल में देशप्रेम, राखी का धागा बना देशभक्ति का संदेश

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर ब्यावर शहर के अजमेर रोड स्थित पिपलाज टोल पर शुक्रवार को भावुक और यादगार नजारा देखने को मिला। देश की सुरक्षा में दिन-रात डटे भारतीय सेना के जवानों को ब्यावर की बहनों ने राखी बांधकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को एक अनोखा रूप दिया। रक्षाबंधन के अवसर पर बहनों ने जवानों की कलाई पर राखी बांधी और उन्हें मिठाई खिलाकर पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान जवानों के चेहरों पर भी खुशी और अपनापन साफ नजर आया। बहनों ने जवानों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा में तैनात जवान अपने परिवार से दूर रहकर राष्ट्र की जिम्मेदारी निभाते हैं। ऐसे में रक्षाबंधन के पर्व पर उनके साथ भाई-बहन के रिश्ते की खुशियां साझा करना उनके लिए गर्व और भावुकता का पल है।

जवानों की कलाई पर बंधा राखी का धागा महज एक त्योहार की रस्म नहीं रहा, बल्कि यह देश के वीर सपूतों के प्रति सम्मान, अपनापन और कृतज्ञता का प्रतीक बन गया। बहनों ने जवानों की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना करते हुए देश की सेवा के लिए उनके समर्पण को नमन किया। पिपलाज टोल पर मौजूद लोगों के लिए भी यह दृश्य भावुक कर देने वाला रहा। एक ओर रक्षाबंधन पर अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधने वाली बहनें थीं, तो दूसरी ओर देश की सुरक्षा के लिए अपने परिवार से दूर रहने वाले जवान। इस मिलन ने रक्षाबंधन के पर्व के सामाजिक और राष्ट्रीय भाव को और गहरा कर दिया।

देश की रक्षा करने वाले जवानों के लिए बहनों का स्नेह

रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक माना जाता है। पिपलाज टोल पर बहनों द्वारा जवानों को राखी बांधने का यह आयोजन इसी भावना को देशभक्ति से जोड़ता नजर आया। बहनों का स्नेह पाकर जवान भी भावुक और प्रसन्न दिखाई दिए। इस दौरान वातावरण में देशभक्ति और भाईचारे की भावना देखने को मिली। बहनों और जवानों के बीच हुए इस आत्मीय मिलन ने यह संदेश दिया कि देश की सीमाओं और सुरक्षा में तैनात जवान अकेले नहीं हैं, बल्कि देश की करोड़ों बहनें और परिवार उनके साथ खड़े हैं।

बारिश से उफना तालाब, आधा दर्जन से अधिक घरों में घुसा पानी

स्मार्ट हलचल

खखरेरू/फतेहपुर धाता विकासखंड के कबरा गांव के मजरा मटिया फतेहपुर में मूसलाधार बारिश के बाद तालाब उफनाने से उसका पानी ग्रामीणों के घरों में घुस गया। आधा दर्जन से अधिक घर जलमग्न हो गए। घरों में रखा राशन, बिस्तर और घरेलू सामान पानी में डूबकर खराब हो गया। वहीं एक कच्ची दीवार गिरने से उसकी चपेट में आकर भैंस घायल हो गई। ग्रामीणों ने जलभराव की सूचना के बाद भी जिम्मेदारों के मौके पर न पहुंचने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों के अनुसार, लगातार हो रही बारिश से गांव के तालाब का जलस्तर बढ़ गया और तालाब का पानी उफनाकर घरों में घुस गया। अचानक पानी भरने से लोगों में अफरा-तफरी मच गई। जलभराव से विनोद कोरी, रामलाल पासवान, बब्ली कुमार, होरीलाल, ननकू, छोटेलाल और सुरेश कुमार के घर प्रभावित हुए हैं। बताया गया कि घरों में रखा राशन, बिस्तर और अन्य घरेलू सामान पानी में डूबकर खराब हो गया। वहीं बारिश के कारण छुटकू कुमार की कच्ची दीवार भरभराकर गिर गई, जिसकी चपेट में आने से उसकी भैंस घायल हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि जलभराव की सूचना ब्लॉक अधिकारियों और ग्राम प्रधान को दी गई, लेकिन घंटों बीतने के बाद भी कोई जिम्मेदार मौके पर हाल जानने नहीं पहुंचा। इससे ग्रामीणों में रोष है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द जल निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की है। धाता बीडीओ राजेंद्र कुमार यादव ने बताया कि अत्यधिक बारिश के कारण जलभराव की स्थिति बनी है। टीम भेजकर जल्द पानी निकासी की व्यवस्था कराई जाएगी, ताकि प्रभावित परिवारों को राहत मिल सके।

बालाकुंड में समाज की बैठक, भाजपा नेतृत्व से बहुलता और सक्रियता के आधार पर प्रतिनिधित्व देने का आग्रह

स्मार्ट हलचल

कोटा, । आगामी नगर निगम चुनाव को लेकर यादव (जाटव) समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक बुधवार शाम बालाकुंड स्थित हनुमान मंदिर में आयोजित की गई। बैठक में वार्ड नंबर 96 से आरती जाटव, पत्नी अजय जाटव, को भारतीय जनता पार्टी का प्रत्याशी बनाए जाने की मांग सर्वसम्मति से उठाई गई। यादव (जाटव) समाज नवयुवक मंडल समिति, बालाकुंड, कोटा के तत्वावधान में आयोजित बैठक में समाज के बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। उपस्थित समाजबंधुओं ने वार्ड 96 में समाज की बहुलता और सक्रियता का उल्लेख करते हुए भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से समाज को उचित प्रतिनिधित्व देने की मांग की। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि अजय जाटव लंबे समय से समाज के कार्यों में सक्रिय रहे हैं और समाज के लोगों के सुख-दुख में सहभागी रहे हैं। उन्होंने कहा कि आरती जाटव को पार्टी से प्रत्याशी बनाए जाने की मांग केवल एक व्यक्ति की दावेदारी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे समाज के प्रतिनिधित्व और एकजुटता से जुड़ा विषय माना जा रहा है। समाज के प्रतिनिधियों ने भाजपा नेतृत्व से वार्ड 96 से आरती जाटव को अवसर देने पर विचार करने का आग्रह किया।

बैठक में कहा गया कि इससे क्षेत्र में समाज की सक्रिय भागीदारी को राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिलेगा और पार्टी के प्रति समाज का विश्वास भी मजबूत होगा। बैठक में यादव (जाटव) समाज के बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे और सर्वसम्मति से प्रस्ताव का समर्थन किया।

मंडावर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: अज्ञात ब्लाइंड मर्डर का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

15 हजार रुपये के इनामी आरोपी सहित दो मुल्जिम पुलिस गिरफ्त में, तकनीकी संसाधनों और करीब 800 किलोमीटर तक लगातार तलाश के बाद मिली सफलता

स्मार्ट हलचल

मंडावर। थाना मंडावर क्षेत्र में ग्राम खेड़ली कला के जंगल में बाजरे की खड़ी फसल के बीच मिले युवक के शव के मामले में मंडावर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए अज्ञात ब्लाइंड मर्डर का खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक आरोपी पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आदतन अपराधी एवं हिस्ट्रीशीटर है तथा उस पर 15 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने आरोपियों तक पहुंचने के लिए तकनीकी संसाधनों, साइबर सेल की सहायता, सीसीटीवी फुटेज एवं मुखबिर तंत्र का सहारा लिया। जिला पुलिस दौसा की ओर से जारी प्रेस नोट के अनुसार यह कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक जयपुर रेंज जयपुर श्री राहुल प्रकाश (आईपीएस) एवं जिला पुलिस अधीक्षक दौसा श्री पीयूष दीक्षित (आईपीएस) के निर्देशन में की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना मंडावर पुलिस की विशेष टीम ने दिन-रात मेहनत करते हुए हत्या की वारदात का पर्दाफाश किया और आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।

जंगल में बाजरे की फसल के बीच मिला था शव

पुलिस के अनुसार 15 अगस्त 2026 को थाना मंडावर क्षेत्र के ग्राम खेड़ली कला के जंगल में बाजरे की खड़ी फसल के बीच एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई थी। मृतक की पहचान राहुल उर्फ भानू मीना के रूप में हुई। प्रारंभिक तौर पर मामला अज्ञात हत्या का प्रतीत होने पर पुलिस ने गंभीरता से जांच शुरू की। घटनास्थल सुनसान जंगल एवं फसल के बीच होने के कारण पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती मृतक की पहचान करने के साथ-साथ हत्या में शामिल आरोपियों तक पहुंचना था। पुलिस के अनुसार घटनास्थल के आसपास से आरोपियों की पहचान में मदद करने वाले पर्याप्त प्रत्यक्ष साक्ष्य नहीं मिल रहे थे। मौके पर मृतक की पहचान से संबंधित दस्तावेज, मोबाइल सहित अन्य महत्वपूर्ण सामग्री भी उपलब्ध नहीं थी। इसके बाद पुलिस टीम ने घटनास्थल एवं आसपास के क्षेत्र का बारीकी से निरीक्षण किया और हत्या के संभावित कारणों तथा मृतक की गतिविधियों से जुड़े लोगों की जानकारी जुटाना शुरू किया।

दो दिन पहले हुआ था विवाद, जांच की दिशा बदली

पुलिस जांच के दौरान सामने आया कि मृतक राहुल उर्फ भानू मीना का घटना से करीब दो दिन पूर्व चौतराम मीना निवासी खातिपुरा के साथ कहासुनी एवं झगड़ा हुआ था। पुलिस के अनुसार विवाद के दौरान मृतक को धमकी दिए जाने की जानकारी भी सामने आई। इस जानकारी के बाद पुलिस ने विवाद से जुड़े लोगों, उनके संपर्कों और घटनाक्रम के बाद उनकी गतिविधियों को जांच के दायरे में लिया। पुलिस ने संभावित आरोपियों की तलाश के साथ-साथ मृतक के परिचितों और घटनास्थल से जुड़े संदिग्ध लोगों से पूछताछ की।

शव को छिपाने का प्रयास

जांच में पुलिस के सामने यह भी आया कि हत्या के बाद शव को ऐसी जगह छिपाने का प्रयास किया गया, जहां तत्काल किसी की नजर न पड़े। पुलिस के अनुसार मृतक का शव मुख्य घटनास्थल से करीब तीन किलोमीटर दूर खेड़ली कला क्षेत्र में बाजरे की फसल के बीच छिपाया गया था।
सुनसान जंगल एवं खेतों का क्षेत्र होने के कारण पुलिस के सामने चुनौती यह थी कि वारदात के बाद आरोपी किस दिशा में गए और शव को किस प्रकार वहां तक पहुंचाया गया। पुलिस ने घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ते हुए संभावित रास्तों एवं संदिग्ध गतिविधियों की जांच की।

करीब 800 किलोमीटर तक सुराग तलाशती रही पुलिस

ब्लाइंड मर्डर होने के कारण पुलिस के सामने आरोपियों की पहचान करना आसान नहीं था। पुलिस टीम ने तकनीकी संसाधनों की मदद से विभिन्न पहलुओं पर जांच की। पुलिस के अनुसार लगातार प्रयास करते हुए टीम ने करीब 800 किलोमीटर तक सुराग तलाशे और संदिग्ध गतिविधियों का तकनीकी विश्लेषण किया। जांच के दौरान साइबर सेल की टीम ने तकनीकी संसाधनों का इस्तेमाल करते हुए महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई। सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया गया। पुलिस द्वारा प्राप्त सुरागों को आपस में जोड़कर संदिग्धों की पहचान की गई और उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई।
लगातार निगरानी एवं अनुसंधान के बाद पुलिस को सफलता मिली और हत्या के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

15 हजार रुपये का इनामी और हिस्ट्रीशीटर आरोपी गिरफ्तार

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में सुरेश उर्फ सूरज मीना पुत्र अर्जुन उर्फ बोना, उम्र 56 वर्ष, निवासी खेड़ली, थाना खेड़ली, जिला अलवर शामिल है। पुलिस प्रेस नोट में सुरेश उर्फ सूरज को थाना खेड़ली जिला अलवर का हिस्ट्रीशीटर एवं आदतन अपराधी बताया गया है।
पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उसके खिलाफ अलग-अलग थानों में हत्या, मारपीट, आर्म्स एक्ट सहित कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। प्रेस नोट में उसके खिलाफ दर्ज पुराने मामलों में थाना खेड़ली, थाना मंडावर तथा अन्य थाना क्षेत्रों के प्रकरणों का उल्लेख किया गया है। इसी आपराधिक पृष्ठभूमि के चलते पुलिस की नजर इस आरोपी पर पहले से थी और उसकी गिरफ्तारी को महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।
दूसरे गिरफ्तार आरोपी की पहचान शेरसिंह उर्फ शेरू पुत्र रामसिंह मीना, उम्र 19 वर्ष, निवासी खेड़ली, थाना खेड़ली, जिला अलवर के रूप में बताई गई है।

महिला की भूमिका की भी जांच

पुलिस प्रेस नोट के अनुसार मामले की जांच में एक महिला की भूमिका का भी उल्लेख सामने आया है। पुलिस द्वारा पूरे घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़कर यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि वारदात से पहले और बाद में कौन-कौन लोग आरोपियों के संपर्क में थे तथा हत्या की घटना में किसकी क्या भूमिका रही।
पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मामले में आगे की जांच एवं कानूनी कार्रवाई जारी है।

पुराने आपराधिक मामलों का भी रिकॉर्ड

पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपी सुरेश उर्फ सूरज मीना के आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की गई। प्रेस नोट में उसके खिलाफ विभिन्न वर्षों में दर्ज कई प्रकरणों का उल्लेख किया गया है। इनमें हत्या, मारपीट, आर्म्स एक्ट सहित गंभीर धाराओं से जुड़े मामले शामिल हैं।
पुलिस के अनुसार आरोपी का पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड सामने आने के बाद जांच टीम ने उसके पुराने संपर्कों और गतिविधियों को भी जांच का हिस्सा बनाया। इससे वर्तमान वारदात की कड़ियों को जोड़ने में पुलिस को मदद मिली।

विशेष टीम ने संभाली जांच की कमान

ब्लाइंड मर्डर के खुलासे के लिए थाना मंडावर पुलिस की विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करने से लेकर तकनीकी साक्ष्य जुटाने, संदिग्धों की पहचान करने और संभावित ठिकानों पर दबिश देने तक लगातार काम किया।
विशेष टीम में थाना मंडावर के थानाधिकारी सहित पुलिसकर्मी, साइबर सेल से जुड़े कर्मचारी तथा जिले के विभिन्न थानों के पुलिसकर्मी शामिल रहे। प्रेस नोट में कुल 17 पुलिसकर्मियों के नाम विशेष टीम के सदस्यों के रूप में दर्ज किए गए हैं।
टीम में थाना मंडावर, सालमपुर, महवा, सिकराय, बालाहेड़ी सहित विभिन्न थाना क्षेत्रों के पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस टीम ने आपसी समन्वय के साथ जांच को आगे बढ़ाया।

तकनीकी जांच बनी अहम कड़ी

मामले में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका तकनीकी जांच की रही। घटनास्थल से प्रत्यक्ष रूप से आरोपियों की पहचान नहीं होने के कारण पुलिस ने तकनीकी संसाधनों का सहारा लिया। साइबर सेल की मदद से उपलब्ध जानकारी का विश्लेषण किया गया और संदिग्धों की गतिविधियों को ट्रैक किया गया।
पुलिस ने आसपास के संभावित क्षेत्रों में सीसीटीवी फुटेज खंगाले और संदिग्धों की आवाजाही से जुड़े सुराग जुटाए। इन सुरागों को घटनाक्रम से जोड़कर पुलिस ने आरोपियों तक पहुंच बनाई।

पुलिस की लगातार मेहनत से हुआ खुलासा

हत्या के बाद आरोपी इस बात को लेकर आश्वस्त रहे होंगे कि सुनसान जंगल एवं बाजरे की फसल के बीच शव छिपाने से वारदात का सुराग मिलना मुश्किल होगा, लेकिन पुलिस टीम ने लगातार जांच करते हुए एक-एक कड़ी जोड़कर मामले को सुलझाया।
करीब 800 किलोमीटर तक सुराग तलाशने, तकनीकी संसाधनों का इस्तेमाल करने और अलग-अलग स्थानों पर जांच करने के बाद पुलिस आरोपियों तक पहुंचने में सफल रही। इस कार्रवाई से मंडावर क्षेत्र में हुए अज्ञात ब्लाइंड मर्डर का पर्दाफाश हुआ है।

आगे की जांच जारी

पुलिस द्वारा गिरफ्तार दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस हत्या के पीछे वास्तविक कारण, वारदात की पूरी परिस्थितियों, इसमें शामिल अन्य लोगों तथा हत्या के बाद शव को छिपाने की पूरी प्रक्रिया के संबंध में जानकारी जुटा रही है।
जिला पुलिस की ओर से बताया गया है कि मामले में नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे और कार्रवाई की जाएगी।

ट्री प्रोटेक्शन बिल के ड्राफ्ट में विसंगतियां, उदयपुर के ग्रीन सेवियर्स ने सरकार को भेजे सुझाव

सेवानिवृत्त वन अधिकारियों ने वैज्ञानिक नाम जोड़ने से लेकर चंदन, सागवान और रोहिड़ा को सूची में शामिल करने की उठाई मांग

स्मार्ट हलचल

उदयपुर, । राजस्थान में वृक्षों के संरक्षण के लिए प्रस्तावित राजस्थान वृक्ष संरक्षण बिल-2026 के ड्राफ्ट में सामने आई विसंगतियों को लेकर उदयपुर के सेवानिवृत्त वन अधिकारियों के समूह ग्रीन सेवियर्स ने राज्य सरकार का ध्यान आकर्षित किया है। समूह की ओर से 25 अगस्त को अतिरिक्त मुख्य सचिव, वन एवं पर्यावरण विभाग को विस्तृत सुझाव भेजे गए हैं। पत्र की प्रतियां मुख्यमंत्री, वन एवं पर्यावरण मंत्री तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं हॉफ को भी भेजी गई हैं।

स्वागत योग्य पहल : भटनागर

ग्रीन सेवियर्स के अध्यक्ष, सेवानिवृत्त मुख्य वन संरक्षक एवं NCTA के सदस्य राहुल भटनागर ने बताया कि पत्र में कहा गया है कि राज्य सरकार द्वारा वृक्ष संरक्षण के लिए कानून लाने की पहल स्वागत योग्य है, लेकिन प्रस्तावित सूची और प्रावधानों में कुछ ऐसी विसंगतियां हैं, जिन्हें बिल को अंतिम रूप देने से पहले दूर किया जाना जरूरी है।

स्थानीय नामों के साथ वैज्ञानिक नाम भी हों

ग्रीन सेवियर्स ने सुझाव दिया है कि संरक्षित वृक्ष प्रजातियों की सूची में केवल स्थानीय नामों के

ग्रीन सेवियर्स सदस्य

बजाय उनके वैज्ञानिक नाम भी स्पष्ट रूप से अंकित किए जाएं। इससे पूरे राजस्थान में प्रजातियों की पहचान को लेकर एकरूपता रहेगी और अलग-अलग क्षेत्रों में प्रचलित स्थानीय नामों के कारण होने वाला भ्रम दूर होगा।

एक ही प्रजाति के अलग-अलग नामों पर भी सवाल

ग्रीन सेवियर्स ने ड्राफ्ट में सालर और सलाई, तेन्दु और रिमरू तथा टेटू/श्योनल और फरी को अलग-अलग दर्शाए जाने पर भी आपत्ति जताई है। पत्र में कहा गया है कि उदयपुर संभाग में सलाई और सालर को एक ही वृक्ष के रूप में जाना जाता है। इसी तरह सूची में 'तनुष HINT' नाम की किसी प्रमाणित वृक्ष प्रजाति की जानकारी नहीं होने की बात कहते हुए उदयपुर संभाग में पाए जाने वाले तणस (Ogeinia oogeinensis) को स्पष्ट रूप से दर्ज करने का सुझाव दिया गया है।

29 प्रजातियों की सूची में संख्या को लेकर भी विसंगति

ग्रीन सेवियर्स ने कुसुम, मोरखा, कड़ाया और पाडल जैसे नामों के उल्लेख तथा 'वेरायटीज' शब्द के इस्तेमाल से भी भ्रम की स्थिति बनने की बात कही है। समूह का कहना है कि सूची में 29 वृक्ष प्रजातियों का उल्लेख किया गया है, जबकि दिए गए नामों के आधार पर वास्तविक संख्या इससे अधिक दिखाई देती है। इसलिए प्रत्येक प्रजाति का वैज्ञानिक नाम अंकित कर वास्तविक संख्या स्पष्ट की जानी चाहिए।

2017 के नोटिफिकेशन से टकराव दूर करने की मांग

समूह ने राजस्थान सरकार के 28 अप्रैल 2017 के नोटिफिकेशन F 15/(33) Forest/98 का हवाला देते हुए कहा है कि इसमें 32 वृक्ष प्रजातियों को काटने के लिए अनुमति आवश्यक नहीं बताई गई थी। इनमें बेर, सेमल और कैंथ भी शामिल हैं, जबकि प्रस्तावित वृक्ष संरक्षण बिल की सूची में भी इनका उल्लेख है। ग्रीन सेवियर्स ने इस विरोधाभास को दूर करने की मांग की है।

चंदन, सागवान और रोहिड़ा को भी संरक्षण सूची में शामिल करने का सुझाव

सेवानिवृत्त वन अधिकारियों ने विशेष रूप से चंदन (Santalum album) को प्रस्तावित संरक्षण सूची में शामिल करने का सुझाव दिया है। उनका कहना है कि राज्य सरकार चंदन को संरक्षित करने तथा प्रत्येक जिले में चंदन वन विकसित करने की दिशा में कार्य कर रही है। दक्षिणी राजस्थान में चंदन का प्राकृतिक पुनरुत्पादन भी पाया जाता है। ऐसे में इसे वृक्ष संरक्षण कानून के दायरे में शामिल किया जाना उचित होगा। इसी तरह सागवान (Tectona grandis) और रोहिड़ा (Tecomella undulata) को भी सूची में शामिल करने का सुझाव दिया गया है।

लंबे वन अनुभव के आधार पर तैयार किए सुझाव

ग्रीन सेवियर्स की चर्चा में सेवानिवृत्त वन अधिकारियों ने अपने दीर्घ अनुभव के आधार पर इन बिंदुओं को चिह्नित किया। समूह के अध्यक्ष राहुल भटनागर ने कहा कि वृक्ष संरक्षण के लिए प्रभावी कानून समय की आवश्यकता है, लेकिन इसके लिए प्रजातियों की पहचान, वैज्ञानिक नामकरण और मौजूदा नियमों के साथ समन्वय स्पष्ट होना जरूरी है। समूह ने सरकार से ड्राफ्ट में आवश्यक संशोधन एवं समावेशन कर विसंगतियों को दूर करने का आग्रह किया है।

लाखेरी में सफाई व्यवस्था पर उठे सवाल

स्मार्ट हलचल

लाखेरी - कस्बे गांधीपुरा मोड़ पर शुक्रवार को कचरा पात्र के आसपास कचरा फैलने से बदबू से मोहल्लेवासी परेशान हो गए। कस्बे में सफाई व्यवस्था को लेकर नगर पालिका प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। गांधीपुरा मोड़ स्थित कचरा पात्र के आसपास बड़ी मात्रा में कचरा फैला हुआ है, जिसके चलते क्षेत्र में गंदगी और दुर्गंध का माहौल बना हुआ है। मुख्य मार्ग पर स्थित कचरा पात्र के आसपास कचरा फैलने से यहां से गुजरने वाले राहगीरों के साथ-साथ आसपास रहने वाले मोहल्लेवासियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कचरा समय पर नहीं उठाए जाने के कारण दुर्गंध बढ़ती जा रही है।

त्यौहार के मौके पर भी सफाई व्यवस्था बदहाल

त्यौहार के अवसर पर जहां कस्बे में विशेष साफ-सफाई की आवश्यकता होती है, वहीं गांधीपुरा मोड़ सहित कई स्थानों पर नियमित सफाई नहीं होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। लोगों का कहना है कि कस्बे के कई वार्डों में भी सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं है तथा नालियों में जमा मलबा समय पर नहीं निकाला जा रहा है। स्थानीय नागरिक जितेन्द्र गौड़ ने बताया कि नगर पालिका प्रशासन से गांधीपुरा मोड़ पर तत्काल सफाई करवाने, कचरा उठाने तथा नालियों की सफाई कराने की मांग की है, ताकि लोगों को गंदगी और दुर्गंध से राहत मिल सके।

राखियों से सजा बाजार, बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधा स्नेह का धागा

स्मार्ट हलचल

सुनेल । कस्बे सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में शुक्रवार को भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह का पर्व रक्षाबंधन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में उत्साह का माहौल रहा। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर आरती उतारी और कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र एवं सुख-समृद्धि की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर उनकी रक्षा का संकल्प लिया। रक्षाबंधन को लेकर कस्बे के बाजारों में भी विशेष रौनक रही। राखियों की दुकानों पर सुबह से ही महिलाओं और बच्चों की भीड़ नजर आई। बाजार में रंग-बिरंगी और आकर्षक डिजाइनों वाली राखियां बहनों के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। वहीं मिठाई की दुकानों पर भी दिनभर ग्राहकों की आवाजाही बनी रही।
दूर-दराज रहने वाले भाई-बहन भी रक्षाबंधन पर अपने घर पहुंचे। लंबे समय बाद भाई-बहनों के मिलने से परिवारों में खुशियों का माहौल

सुनेल कस्बे सहित आसपास के गांवों में हर्षोल्लास से मनाया रक्षाबंधन, तिलक कर बहनों ने की भाई की सुख-समृद्धि की कामना

देखने को मिला। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर मिठाई खिलाई, वहीं भाइयों ने बहनों को उपहार एवं शगुन भेंट किए।

बाजार में दिनभर रही चहल-पहल

पर्व के चलते कस्बे के प्रमुख बाजारों और मार्गों पर दिनभर चहल-पहल रही। सुबह से ही लोग राखी, मिठाई और पूजा सामग्री की खरीदारी करते नजर आए। ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए सुनेल पहुंचे। रक्षाबंधन को लेकर बच्चों में भी खासा उत्साह दिखाई दिया।

संस्कृति बचेगी तो समाज बचेगा - अर्चना मीना

मीणा समाज की अमूल्य लोक धरोहर 'पद दंगल' पर बनी डॉक्यूमेंट्री का भव्य लोकार्पण

रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर लालारामपुरा में हुआ आयोजन, चार दिग्गज कलाकारों की जीवनयात्रा और योगदान को किया गया प्रदर्शित

स्मार्ट हलचल

टोडाभीम, ,मदन मोहन गर्ग। मीणा समाज की सदियों पुरानी समृद्ध लोक परंपरा एवं सांस्कृतिक धरोहर 'पद दंगल' के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर ग्राम लालारामपुरा में पद दंगल पर आधारित विशेष डॉक्यूमेंट्री फिल्म का लोकार्पण एवं प्रदर्शन किया गया। यह डॉक्यूमेंट्री स्वदेशी जागरण मंच की राष्ट्रीय महिला प्रमुख अर्चना मीना की पहल पर तैयार की गई है, जिसका उद्देश्य मीणा समाज की इस गौरवशाली लोक कला को नई पीढ़ी तक पहुंचाना तथा इस कला को अपनी साधना और प्रतिभा से जीवंत रखने वाले कलाकारों के योगदान को जन-जन तक पहुंचाना है। डॉक्यूमेंट्री में पद दंगल के चार प्रमुख एवं वरिष्ठ कलाकारों धवले राम मीणा, जगन मीणा, रामकेश मीणा एवं जलसिंह मीणा की जीवनयात्रा, कला के प्रति उनकी

साधना और योगदान को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया है। कार्यक्रम के दौरान चारों कलाकारों ने अपनी लाइव पद दंगल प्रस्तुति भी दी। उनकी ओजपूर्ण एवं भावपूर्ण प्रस्तुति ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। लालरामपुरा सहित आसपास के अनेक गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण, प्रबुद्धजन एवं गणमान्य नागरिक कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस अवसर पर अर्चना मीना ने कहा कि 'पद दंगल' केवल एक लोक कला नहीं, बल्कि मीणा समाज की आत्मा, पहचान और गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत है। इस लोक परंपरा के माध्यम से हमारे कलाकारों ने पौराणिक कथाओं, धार्मिक एवं प्रेरणादायी प्रसंगों, लोक जीवन के अनुभवों और सामाजिक सरोकारों को सहज रूप से पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाया है। आधुनिकता के दौर में इस विरासत को संरक्षित करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। अर्चना ने कहा कि डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से कलाकारों की वर्षों की तपस्या, योगदान और सृजनशीलता को समाज के सामने लाने का प्रयास किया गया है, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी इस समृद्ध लोक परंपरा को जानें, समझें और उस पर गर्व करें। अर्चना मीना ने इस अवसर पर लालरामपुरा एवं आसपास के सभी ग्रामवासियों, प्रबुद्धजनों और कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों के स्नेह, आशीर्वाद और सहयोग के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने डॉक्यूमेंट्री के निर्माण में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले प्रत्येक व्यक्ति का भी धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि समाज के लोगों का यही स्नेह और सहयोग भविष्य में भी अपनी लोक कला एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए प्रेरणा देता रहेगा। अर्चना मीना ने सभी को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें मिलकर अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजना होगा, क्योंकि 'संस्कृति बचेगी तो समाज बचेगा।' डॉक्यूमेंट्री के प्रदर्शन के दौरान इसके निर्देशक अर्पित एवं उनकी पूरी टीम विशेष रूप से उपस्थित रही। कार्यक्रम में श्रीलाल मीणा, नलकेश मीणा, विभिन्न समाचार पत्रों के प्रेस प्रतिनिधि तथा क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों एवं अतिथियों ने डॉक्यूमेंट्री की सराहना करते हुए इसे मीणा समाज की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में सराहनीय एवं महत्वपूर्ण प्रयास बताया। साथ ही, फिल्म निर्माण से जुड़े सभी कलाकारों, निर्देशक एवं पूरी टीम को बधाई दी।

सेवा के पांच वर्ष अमृतम सेवा संस्थान ने मनाया स्थापना दिवस

लहरिया थीम पर सजा अमृतम का स्थापना दिवस, सेवा सहयोगियों का हुआ सम्मान

सेवा, सम्मान और संस्कारों के रंग में रंगा अमृतम सेवा संस्थान का पांचवां स्थापना दिवस

स्मार्ट हलचल

कोटा। सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में सक्रिय अमृतम सेवा संस्थान ने अपना पांचवां स्थापना दिवस उत्साह और गरिमापूर्ण माहौल में मनाया। निजी होटल में लहरिया थीम पर आयोजित समारोह में सामाजिक सेवा, महिला सम्मान और सांस्कृतिक परंपराओं का आकर्षक संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में संस्था के सेवा कार्यों में योगदान देने वाली महिलाओं, भामाशाहों और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रही महिला शक्तियों को सम्मानित किया गया। संस्थान की अध्यक्ष ज्योति यादव ने कहा कि पांच वर्षों की यात्रा में संस्था ने जरूरतमंद परिवारों, विद्यार्थियों, मरीजों और श्रमिकों तक सहायता पहुंचाने के लिए अनेक सेवा प्रकल्प संचालित किए हैं। संस्था के कार्यों से प्रभावित होकर 25 नई महिलाएं संगठन से

जुड़ीं और सामाजिक सेवा के लिए शपथ ग्रहण की।कार्यक्रम के संचालन एवं व्यवस्थाओं में संस्था की कार्यकारिणी सदस्य सीमा भाटिया, सुनीता वर्मा, मोहिनी यादव, भारती यादव, कविता यादव, अनीता चौधरी, रेखा मलिक, चैताली शर्मा, शशि सिंह और वंदना नायक ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का शुभारंभ पीतांबरा राजे, सीएआईटी वूमन विंग कोटा की नीलम विजय, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा राजस्थान की क्षत्राणी विंग की प्रदेश अध्यक्ष तरुणा सोलंकी, सरोज मिश्रा, रुचि अहलूवालिया और नेहा खंडेलवाल सहित अन्य अतिथि ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। ज्योति यादव ने बताया कि संस्था ने पिछले पांच वर्षों के दौरान सामाजिक सेवा को निरंतर अपनी प्राथमिकता में रखा है। जरूरतमंद परिवारों के लिए निशुल्क कन्या विवाह में सहयोग, विद्यालयों में स्टेशनरी, स्वेटर, पानी की बोतलें एवं फर्नीचर उपलब्ध कराने जैसे कार्य किए गए। उन्होंने बताया कि संस्था के सामाजिक कार्यों के लिए 15 अगस्त को प्रशासन की ओर से सम्मानित भी किया गया।

अस्पतालों से बस्तियों तक सेवा का विस्तार

अध्यक्ष ने बताया कि संस्था ने अस्पतालों में जरूरतमंद मरीजों और उनके परिजनों की सहायता के लिए भी निरंतर कार्य किया है। झालावाड़ रोड स्थित अस्पताल के समीप संचालित 'अमृत भोजनालय' के माध्यम से तीमारदारों को रियायती दर पर भोजन उपलब्ध कराया जाता है। इसके अतिरिक्त श्रमिकों के लिए कंबल वितरण, जरूरतमंद परिवारों के लिए राशन व्यवस्था, बस्तियों में चिकित्सा शिविर, नेत्र जांच शिविर, जरूरतमंदों को चश्मों का वितरण तथा सिलाई प्रशिक्षण शिविर सहित अनेक सेवा प्रकल्प संचालित किए गए।

सेवा सहयोगियों और भामाशाहों का सम्मान

समारोह में संस्था के सेवा कार्यों में सक्रिय योगदान देने वाली महिलाओं एवं भामाशाहों को स्मृति चिह्न, प्रशस्ति पत्र और अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया। साथ ही कोटा की उन महिलाओं का भी सम्मान किया गया, जिन्होंने अपने-अपने कार्यक्षेत्र और सामाजिक जीवन में उल्लेखनीय योगदान दिया है। सम्मानित होने वालों में स्वाति पोरवाल, सीमा भाटिया, मोहिनी यादव, रेखा मलिक, भारती यादव, अनीता चौधरी, मंजू पावा, इंदू चौधरी, किरण अग्रवाल, वंदना नायक, अर्चना चौबदार, अमिता मेहरा, चैताली शर्मा, सीमा जैन, अंजू खंडेलवाल, ऋतु पारीक, रुचि गुप्ता, कल्पना शर्मा, सुनीता वर्मा, मंजू सोनी, कविता यादव, लीला सोनी, डॉ. सावित्री बेरवा, शालू योगी, जया गुप्ता, कुसुम सिसोदिया, सुषमा चतुर्वेदी, मोनिका पारेता, दीपिका चौहान, अर्चना चौहान, रितु शर्मा, भावना जैन, मीरा यादव, नंद कुमारी, एकता शर्मा, कमलेश यादव एवं कमलेश कुमारी बोरखेड़ा** शामिल रहीं।

तीज उत्सव में झलकी भारतीय संस्कृति

स्थापना दिवस समारोह के साथ महिलाओं ने हरियाली तीज उत्सव भी उत्साहपूर्वक मनाया। आयोजन में विभिन्न पारंपरिक खेल और प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। भारतीय सनातन संस्कृति और परंपराओं से जुड़ी प्रश्नोत्तरी भी कराई गई, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साह से हिस्सा लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान महिलाओं ने नृत्य प्रस्तुतियां देकर उत्सव को यादगार बनाया।

सिंजारा एवं तीज प्रतियोगिता 30 अगस्त को, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला होंगे मुख्य अतिथि

स्मार्ट हलचल

कोटा। श्री माहेश्वरी समाज कोटा की इकाई श्री माहेश्वरी सेवा संस्थान, नया कोटा की ओर से सिंजारा एवं तीज प्रतियोगिता का आयोजन 30 अगस्त को किया जाएगा। कार्यक्रम रविवार शाम 7 बजे झालावाड़ रोड स्थित श्री माहेश्वरी भवन में आयोजित होगा। सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रमोद कुमार भंडारी ने बताया कि कार्यक्रम के कार्ड का विमोचन अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के उपसभापति राजेश कृष्ण बिरला ने किया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। महेश अजमेरा ने बताया कि सिंजारा एवं तीज महोत्सव के तहत महिलाओं और परिवारों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इनमें घेवर सजाओ प्रतियोगिता, श्रृंगार आइटम्स पैकिंग प्रतियोगिता तथा सावन तीज पर नृत्य प्रतियोगिता प्रमुख हैं। कार्यक्रम कार्ड के विमोचन अवसर पर राजेश कृष्ण बिरला ने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज को एकजुट करने के साथ ही पारिवारिक और सांस्कृतिक परंपराओं को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सेवा संस्थान के सचिव दामोदर मूंदड़ा ने बताया कि कार्ड विमोचन समारोह में समाज के मंत्री विट्ठलदास मूंदड़ा, पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक सभा के अध्यक्ष महेशचंद अजमेरा, पंचायत अध्यक्ष कृष्णगोपाल जाखेटिया, सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रमोद कुमार भंडारी, जिला अध्यक्ष सुरेशचंद्र काबरा,अशोक माहेश्वरी, जिला मंत्री ओम गट्टानी सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

पिता की प्रथम पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर, 65 रक्तवीरों ने किया रक्तदान

सेवा और समर्पण के साथ स्वर्गीय जेठमल गांधी को दी श्रद्धांजलि

स्मार्ट हलचल

बायतु । स्वर्गीय जेठमल गांधी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर शुक्रवार को उनके पुत्र जितेंद्र गांधी, सुनील गांधी, अशोक गांधी सहित गांधी परिवार की ओर से सेवा समर्पण एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर सेन जी महाराज मंदिर, पुराना गांव बायतु में महंत भैर भारती महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित हुआ। नवजीवन रक्तकोष फाउंडेशन बायतु के तत्वावधान में आयोजित रक्तदान शिविर में युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिविर के दौरान 65 रक्तवीरों ने रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बायतु प्रधान सिमरथाराम चौधरी, भाजपा मंडल अध्यक्ष हनुमानराम जाणी, भाजपा नेता कुंभाराम, बायतु भोपजी प्रशासक प्रतिनिधि महेंद्र चोपड़ा, पूर्व पंचायत समिति सदस्य कंवराराम जाणी एवं दुलीचंद गांधी सहित मेडिकल टीम, नवजीवन रक्तकोष फाउंडेशन की टीम एवं कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर अतिथियों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है। जरूरतमंद मरीजों के जीवन को बचाने में रक्तदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। स्वर्गीय जेठमल गांधी की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि देने के साथ समाजसेवा और मानवता का अनुकरणीय संदेश दिया गया। नवजीवन रक्तकोष फाउंडेशन के मीडिया प्रभारी शौकत सोलंकी ने रक्तदाताओं का आभार प्रकट करते हुए कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद के लिए जीवनदान साबित हो सकता है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने का आह्वान किया। वहीं, नवजीवन रक्तकोष फाउंडेशन के संस्थापक शहीद मंसूरी ने सभी रक्तदाताओं, गांधी परिवार, अतिथियों एवं मेडिकल टीम का आभार व्यक्त किया। शिविर के दौरान सेवा, समर्पण और मानवता की भावना देखने को मिली।

राजस्थान में कहीं बारिश नहीं हुई, पारा 40 के करीब

अब तक 21 फीसदी कम बरसात, 4 सितंबर से फिर एक्टिव होगा मानसून

जयपुर राजस्थान में मानसून आने के बाद शुक्रवार को ऐसा पहला दिन था, जब राज्य में कहीं बारिश नहीं हुई। बारिश नहीं होने और धूप रहने से जयपुर, टोंक, अलवर समेत 15 शहरों का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर दर्ज हुआ। वहीं, श्रीगंगानगर में पारा 40 डिग्री के करीब रहा। मानसून का ये ब्रेक सितंबर के पहले सप्ताह के आखिरी तक खत्म होने की उम्मीद है। बंगाल की खाड़ी में एक सिस्टम बनने की संभावना है, जिसके प्रभाव से राजस्थान में बारिश का दौर फिर से शुरू हो सकता है। तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव, गर्मी बढ़ी: जयपुर, उदयपुर, कोटा, भरतपुर, अजमेर, जोधपुर संभाग के एरिया में शुक्रवार दिनभर आसमान साफ रहा और धूप रही। कई जगह तापमान में 1 से 2 डिग्री तक का उतार-चढ़ाव रहा। दिन में सबसे ज्यादा गर्मी श्रीगंगानगर में रही 4 सितंबर से फिर एक्टिव होगा मानसून: मौसम विशेषज्ञों की माने तो सितंबर के पहले सप्ताह में बंगाल की खाड़ी में एक वेदर सिस्टम बनने की संभावना है। इस सिस्टम के असर से राजस्थान 4-5 सितंबर से मानसून फिर से एक्टिव होने की उम्मीद है। वर्तमान में मानसून ट्रफ उत्तर से थोड़ी शिफ्ट होकर अब अमृतसर, देहरादून, लखीमपुर खीरी होते हुए बंगाल की खाड़ी तक जा रही है।

वीरवर राष्ट्र नायक दुर्गादास जी की 388वी जयंती का पखवाड़ा आयोजन संपन्न

स्मार्ट हलचल

उदयपुर वीरवर राष्ट्रनायक दुर्गादास जी की 388वीं जयंती के पखवाड़े का समापन आज दवाणा हाउस, एकलिंगपुरा में भव्य समारोह के साथ संपन्न हुआ। आयोजन श्री क्षत्रिय युवक संघ एवं सहयोगियों द्वारा संचालित किया गया और इसमें समाज के गणमान्य नागरिक, धार्मिक-शैक्षिक प्रतिनिधि व युवा वर्ग ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। रा.स्व.से.संघ के महिपाल सिंह राठौड़ ने वीर दुर्गादास के वीर व्यक्तित्व और त्याग से दर्शकों को अवगत कराते हुए कहा कि उनके आदर्श आज के समय में भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि उदयपुर में वीरवर दुर्गादास के नाम पर सड़क और उनकी मूर्ति की स्थापना कर उनके योगदान को स्थायी रूप से यादगार बनाया जाना चाहिए। डॉ. कमल सिंह बेमला ने दुर्गादास जी के कृतित्व और जीवन चरित्र पर विस्तृत जानकारी दी और उनके साहसिक कार्यों का ऐतिहासिक संक्षेप प्रस्तुत किया। मोती सिंह राठौड़ ने समिति के माध्यम से संगठित व समर्पित कार्य करने के लिए उपस्थितों को प्रेरित किया। संत श्री लक्ष्मण पुरी गोस्वामी ने ओजस्वी व्याख्यान से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया और कार्यक्रम में आध्यात्मिक आयाम जोड़ा। कार्यक्रम का संचालन भंवर सिंह बेमला ने कुशलतापूर्वक किया। समिति द्वारा बेमला गाँव की लोक-विद्यालय का नामकरण वीरवर दुर्गादास के नाम पर करने का प्रस्ताव पारित किया गया, जिसे उपस्थित सदस्यों ने समर्थन दिया। समारोह में मान सिंह, इन्द्र सिंह, भारत सिंह, भंवर सिंह, जितेन्द्र सिंह, रघुवीर सिंह, कृष्णदेव सिंह, भगवान सिंह, ईश्वर सिंह, कमलेन्द्र सिंह, भगत सिंह, देवेन्द्र सिंह, नरपत सिंह, लोकेंद्र सिंह, राजेन्द्र सिंह सहित कई गणमान्य उपस्थित थे। दुर्गादास जी की जयंती का यह पखवाड़ा 13 अगस्त से विभिन्न राज्यों व स्थानों पर निरंतर आयोजित किया जा रहा था। उदयपुर संभाग में कार्यक्रम की श्रृंखला में 19 अगस्त को मीरां नगर पार्क, 20 अगस्त को मुछाला महादेव (नाथद्वारा), 21 अगस्त चूण्डा बाग (भूपाल नोबल्स संस्थान परिसर), 22 अगस्त महाराणा प्रताप क्षत्रिय संस्थान भवन (पुरोहितों की मादड़ी), 23 अगस्त शक्तावतो का गुड़ा व टोकर (सेमारी, जिला सलुम्बर), 24 अगस्त श्री क्षत्रिय विकास संस्थान (सेक्टर 13), 25 अगस्त ग्लोबल एकेडमी सेकेंडरी स्कूल (सलुम्बर), 26 अगस्त श्री आशापुरा रिसोर्ट (दलोट, जिला प्रतापगढ़) तथा 27 अगस्त को एकलिंगपुरा, साकारोड़ा व कुराबड़ में कार्यक्रम आयोजित किए गए। आयोजन के आयोजकों ने कहा कि दुर्गादास जी के जीवन-मूल्यों, वीरता और समाजसेवा को युवाओं तक पहुँचाने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम निरंतर चलेंगे और उनकी याद को स्थानीय स्तर पर मजबूत करने का प्रयास जारी रहेगा।

मार्गेरिटा के वियतनाम, लाओस दौरे से मिली 'एक्ट ईस्ट नीति' को नई गति

स्मार्ट हलचल

हनोई/वियनतियाने। भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति को दक्षिण-पूर्व एशिया और प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में अधिक मजबूत बनाने के लिए विदेश राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा 26 अगस्त से 2 सितंबर 2026 तक वियतनाम, लाओ पीडीआर (लाओस) और पलाऊ की आठ दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। तीन देशों के इस महत्वपूर्ण कूटनीतिक दौरे के शुरुआती चरणों में भारत ने इन देशों के साथ अपने व्यापारिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक संबंधों की व्यापक समीक्षा की है। अपनी यात्रा के पहले चरण में वियतनाम पहुंचे विदेश राज्य मंत्री ने हनोई में प्रधानमंत्री ले मिन्ह हंग से उच्च स्तरीय मुलाकात की। इस बैठक में दोनों देशों के बीच रक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी और व्यापार के क्षेत्र में 'एन्हांस्ड कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' को और प्रगाढ़ करने पर विशेष बल दिया गया। मार्गेरिटा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा वियतनाम के प्रधानमंत्री ले मिन्ह हंग से मिलकर सम्मानित महसूस किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की ओर से उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं। जनरल सेक्रेटरी और राष्ट्रपति 'तो लाम' की भारत की सफल राजकीय यात्रा और हमारे संबंधों को 'बेहतर व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक ले जाने की बात को याद किया। उच्च-स्तरीय प्रतिबद्धताओं को ठोस नतीजों में कैसे बदला जाए, इस पर मार्गदर्शन के लिए प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया। उन्होंने वियतनाम एकेडमी ऑफ़ सोशल साइंसेज में 'भारत-वियतनाम बेहतर व्यापक रणनीतिक साझेदारी' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य भाषण दिया। राज्य मंत्री ने हनोई में वियतनाम के प्रमुख टूर ऑपरेटरों के साथ उपयोगी बातचीत की और भारत-वियतनाम में दोनों तरफ़ से पर्यटन को बढ़ावा देने की अपार संभावनाओं पर वार्ता की। उन्होंने वियतनाम में रहने वाले भारतीय समुदाय के साथ मुलाकात की और दोनों देशों के बीच घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंधों को मज़बूत करने में उनके योगदान को सराहा। मार्गेरिटा ने यहां फ़ाप वान पगोडा का दौरा किया और मुख्य मठाधीश (चीफ़ एबॉट) के साथ बातचीत की, जिससे भारत और वियतनाम को जोड़ने वाली साझा बौद्ध विरासत को और मज़बूती मिली। यात्रा के दूसरे चरण में लाओस पहुंचे विदेश राज्य मंत्री ने दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंधों को एक नया आयाम दिया। मार्गेरिटा ने यहां 'भारत-लाओ पीडीआर राजनयिक संबंधों के 70 साल' के ऐतिहासिक अवसर पर आयोजित एक संयुक्त सेमिनार को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बौद्ध विरासत और प्राचीन सांस्कृतिक जुड़ाव का उल्लेख करते हुए दोनों देशों के बीच कृषि, क्षमता निर्माण, डिजिटल बुनियादी ढांचे और साझा विरासतों के संरक्षण में सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई। इसके बाद मार्गेरिटा पलाऊ की यात्रा पर रवाना होंगे, जहां वे प्रशांत द्वीपीय देशों के संगठन (पीआईएफ) के नेताओं के साथ संवाद करेंगे।

बनेठा में बीसलपुर पेयजल आपूर्ति बाधित- कई इलाकों में गहराया जल संकट

स्मार्ट हलचल

टोंक/बनेठा। उनियारा उपखण्ड क्षेत्र के बनेठा कस्बे में पिछले करीब एक सप्ताह से बीसलपुर पेयजल परियोजना की आपूर्ति बाधित होने से लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। अंबेडकर कॉलोनी सहित शंकरपुरा कॉलोनी, मीणा की झोपड़ियां, रूपपुरा और सुरेली रोड क्षेत्र में बीसलपुर का पानी नहीं पहुंच रहा है। ग्रामीणों के अनुसार आसपास के दर्जनों गांव भी पेयजल समस्या से प्रभावित हैं। ग्रामीणों ने बताया कि बीसलपुर की पाइपलाइन में खराबी आने के बाद उसकी मरम्मत में कई दिन लग गए। उनका आरोप है कि एक पाइपलाइन की खराबी को दुरुस्त करने में छह दिन से अधिक समय लगना विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। जून 2026 में भी बनेठा क्षेत्र में बीसलपुर योजना की पाइपलाइन से जुड़ी पेयजल समस्या सामने आ चुकी है। अधिकारियों से संपर्क-नहीं मिला संतोषजनक जवाब पानी की आपूर्ति बंद होने का कारण जानने के लिए जब ग्रामीणों ने संबंधित ठेकेदार से संपर्क किया तो पहले पाइपलाइन टूटने की बात कही गई, बाद में स्टाफ के छुट्टी पर होने का हवाला दिया गया। ग्रामीणों ने बीसलपुर परियोजना के अधिकारियों से भी संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। ग्रामीणों के अनुसार एईएन धर्मराज मीणा का फोन बंद था, जबकि एक्सईएन से भी संपर्क नहीं हो पाया। इससे लोगों में विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ रही है।

राखी के त्योहार पर भी पानी को तरसे लोग

राखी के त्योहार के दौरान भी पेयजल आपूर्ति बंद रहने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई। घरों में पीने के पानी के साथ-साथ रोजमर्रा के कामों के लिए भी पानी जुटाना मुश्किल हो गया। लोगों को निजी साधनों से पानी की व्यवस्था करनी पड़ी और कई परिवारों को पानी के लिए भटकना पड़ा। ग्रामीणों ने उच्चाधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप कर बीसलपुर पेयजल आपूर्ति बहाल कराने तथा भविष्य में पाइपलाइन खराब होने पर शीघ्र मरम्मत की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि जब बीसलपुर जैसी बड़ी पेयजल परियोजना से पानी उपलब्ध होना है, तो छोटी तकनीकी खराबी के कारण कई दिनों तक आपूर्ति बंद रहना गंभीर चिंता का विषय है।

गोविंदपुरा सबस्टेशन से जुड़े क्षेत्रों में आज 5 घंटे बिजली बंद

रखरखाव कार्य के चलते सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। आवश्यक रखरखाव कार्य के चलते शनिवार, 29 अगस्त को 33/11 केवी सबस्टेशन गोविंदपुरा से निकलने वाले 11 केवी हाउसिंग बोर्ड फीडर की विद्युत आपूर्ति सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक बंद रहेगी। विद्युत विभाग के अनुसार इस दौरान गणपति नगर, जय अम्बे कॉलोनी, श्रीराम नगर, चारभुजा कॉलोनी, विद्या भारती स्कूल के पास का क्षेत्र, बीएम शर्मा नगर, शनि महाराज मंदिर व टेम्पो स्टैंड के पास का क्षेत्र, गायत्री नगर लिंक रोड, 80 फीट रोड, गायत्री नगर द्वितीय, टीसी मालानी नगर, सिद्धि विनायक कॉलोनी, विद्या नगर, गांधी नगर, कृष्णा कॉलोनी, टीपी पारीक आईटीआई के पास का क्षेत्र, रामचंद्र कॉलोनी तथा जैन कॉलोनी सहित आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी। विभाग ने विद्युत उपभोक्ताओं से कटौती अवधि को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से करने की अपील की है।

बकरी चोरी कर भाग रहे दो आरोपियों को ग्रामीणों ने बाइक समेत दबोच

स्मार्ट हलचल

खखरेरू/फतेहपुर थाना क्षेत्र के गुरगौला जयरामपुर गांव में शुक्रवार दोपहर बकरी चोरी कर बाइक से भाग रहे दो आरोपियों को ग्रामीणों ने घेराबंदी कर पकड़ लिया। ग्रामीणों ने चोरी की गई बकरी और घटना में प्रयुक्त बाइक सहित दोनों आरोपियों को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। गांव निवासी लाल कुँवर पुत्र स्वर्गीय संतलाल पाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शुक्रवार दोपहर उनके घर के सामने बकरियां बंधी थीं। इसी दौरान एक स्प्लेंडर बाइक से दो युवक पहुंचे और उनकी एक बकरी को बाइक पर लादकर भागने लगे। बकरी चोरी होते देख उन्होंने शोर मचाते हुए दोनों का पीछा शुरू कर दिया। शोर सुनकर ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए और घेराबंदी कर दोनों युवकों को बाइक समेत पकड़ लिया। पूछताछ में बाइक चालक ने अपना नाम राजराम सागर निर्मल पुत्र रामसागर भोला प्रसाद निर्मल और पीछे बैठे युवक ने बृजेश कुमार पुत्र राजबहादुर बताया। दोनों खागा कोतवाली क्षेत्र के बहलोलपुर ऐलाई गांव के निवासी बताए गए हैं। ग्रामीणों ने दोनों आरोपियों, चोरी की गई बकरी और घटना में प्रयुक्त स्प्लेंडर बाइक को पुलिस के सुपुर्द कर दिया। थाना प्रभारी सतपाल सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

केवल सूत का धागा नहीं, संघ सुरक्षा और आत्म-रक्षण का पर्व है रक्षा बंधन : आचार्य प्रशमेशप्रभ सूरीश्वर

आराधना भवन में निरंतर चल रही सिद्धि तप आराधना, प्रवचनों में उमड़ रहे श्रद्धालु

स्मार्ट हलचल

उदयपुर श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक श्रीसंघ के मालदास स्ट्रीट स्थित आराधना भवन में आचार्यदेव श्रीमद् विजय प्रशमेशप्रभ सूरीश्वर महाराज, मुनिराज नीतिप्रभ विजयजी महाराज एवं साध्वी श्रुतवर्धना श्रीजी महाराज आदि ठाणा की पावन निश्रा में 45 दिवसीय सिद्धि तप आराधना श्रद्धा एवं भक्ति के साथ जारी है। प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठान एवं प्रवचन हो रहे हैं, जिसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं सहभागी बन रहे हैं। श्रीसंघ के कोषाध्यक्ष राजेश जावरिया ने बताया कि धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्यदेव श्रीमद् विजय प्रशमेशप्रभ सूरीश्वर महाराज ने कहा कि रक्षा बंधन केवल भाई-बहन के बीच सूत का धागा बांधने तक सीमित लौकिक त्योहार नहीं है, बल्कि जैन परंपरा में इसका अति गूढ़ और आध्यात्मिक महत्व है। आज ही के दिन महामुनि विष्णु कुमार जी ने अपने लब्धि-बल का प्रयोग कर 700 जैन मुनियों पर आए घोर उपसर्ग का निवारण किया था और संघ की रक्षा की थी। सच्चा रक्षा बंधन वही है जहाँ हम धर्म, देव, गुरु और जैन संघ की रक्षा का संकल्प लें। सिद्धि तप की यह पावन साधना हमारे आत्म-रक्षण का सर्वोत्तम साधन है। बाहर का धागा शरीर की रक्षा की भावना जगाता है, जबकि तपस्या और संयम का धागा हमारी आत्मा को कर्मों के बंधनों से मुक्त कर परम कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। आचार्यश्री ने कहा कि आध्यात्मिक उन्नति के लिए सांसारिक आकर्षणों, विषय-विकारों और अनावश्यक प्रवृत्तियों से दूरी बनाना आवश्यक है। परमात्मा की प्राप्ति तभी संभव है, जब मन पूर्ण रूप से उसी दिशा में केंद्रित हो। उन्होंने कहा कि धर्म केवल बाहरी आडंबर नहीं, बल्कि आत्मा की जागृति का माध्यम है। इसलिए प्रत्येक साधक को अपने भीतर श्रद्धा, समर्पण और एकाग्रता का विकास करना चाहिए। धर्मसभा में श्रीसंघ के अध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र हिरण, कोषाध्यक्ष राजेश जावरिया, राजकुमार बापना, नरेंद्र सिंघवी, भोपाल सिंह सिंघवी, मनीष दोशी, अभिषेक हुमड़, अशोक सेठ, प्रकाश गांधी, राकेश चेलावत, अशोक जैन, राजेंद्र कोठारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

उदयपुर के एनआरआई राजेश चपलोत को फॉर्ब्स मैगजीन ने किया फीचर...

चपलोत के 'सेव टाइम' अभियान को देश-दुनिया में प्रख्यात मैगजीन फॉर्ब्स में मिला स्थान

स्मार्ट हलचल

उदयपुर, उदयपुर निवासी (एनआरआई) राजेश चपलोत को उनके सेव टाइम अभियान के लिए देश-दुनिया में प्रख्यात मैगजीन फॉर्ब्स ने फीचर किया है। राजेश चपलोत ने फॉर्ब्स में आए अपने इस आर्टिकल में समय के महत्व को समझाते हुए सेव टाइम अभियान की शुरूआत भी की है। फॉर्ब्स इंडिया में चपलोत के सेव टाइम अभियान और उनकी उपलब्धियों को स्थान मिलना उदयपुर और राजस्थान के लिए गौरव की बात है। उदयपुर में जन्मे, पले और बड़े हुए राजेश चपलोत ने कॅरियर की शुरूआत तो उदयपुर से ही की थी, लेकिन आज वे युगांडा देश के बिजनेस टायकून हैं और बीते छह वर्षों से युगांडा राष्ट्रपति के सलाहकार भी। चपलोत 2019 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित हो चुके हैं। 2020 में युगांडा के राष्ट्रपति ने उन्हें स्वर्ण जयंति पुरस्कार और सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से सम्मानित किया था,

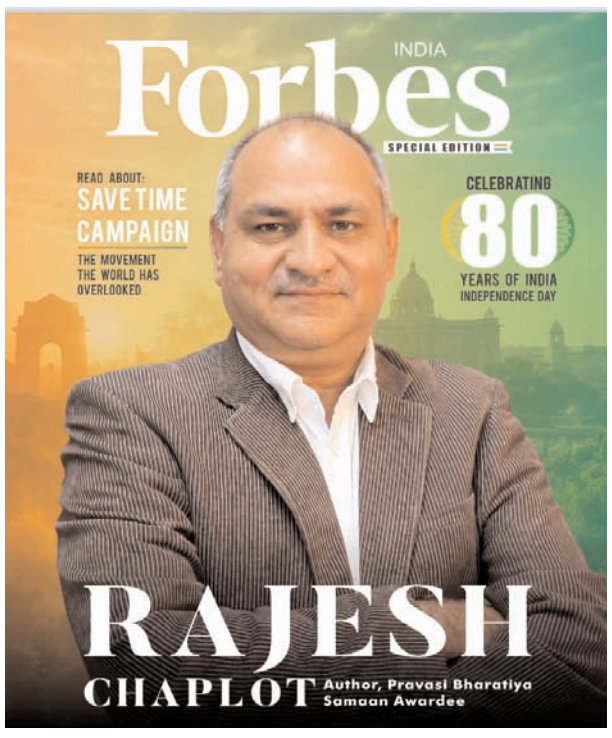

वहीं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा 2018 में उन्हें इंटरनेशनल लीडर पुरस्कार से नवाजा गया था। चपलोत ने युगांडा, कांगो और तंजानिया में विभिन्न कॉरपोरेट संस्थानों के साथ सीईओ, डायरेक्टर और बोर्ड मेंबर के रूप में काम किया है। वे एलाइड ग्राफिक सिस्टम, काम्यो टेकएज सर्विसेज कंपनियों में डायरेक्टर, मंगलम अफ्रीका लिमिटेड के एमडी हैं।

समय बचाने की सोच को बनाया अभियान

चपलोत कहते हैं हम अक्सर पर्यावरण बचाने की बात करते हैं, पानी बचाने के लिए अभियान चलाते हैं, लेकिन जीवन की सबसे अनमोल संपत्ति समय को बचाने और उसकी अहमियत समझने की चर्चा अपेक्षाकृत कम करते है, जबकि बीता हुआ समय कभी वापस नहीं लाया जा सकता।

इसी सोच को दुनिया तक पहुंचाने उन्होंने सेव टाइम अभियान शुरू किया है और उनके इस अभियान के लिए ही फॉर्ब्स इंडिया ने उन्हें अगस्त में प्रकाशित हुए अंक के पेज नंबर 81 पर स्थान दिया है। वे टाइम के महत्व को लेकर एक बुक भी लिख रहे हैं। इस बुक से न सिर्फ उनके सेव टाइम अभियान को गति मिलेगी, बल्कि यह बुक युवाओं के लिए भी बहुत कारगर साबित होगी।

राजेश चपलोत 1989 बैच के चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। उदयपुर, राजस्थान निवासी चपलोत उदयपुर से शिक्षा ग्रहण करने के बाद वर्ष 1996 से 2023 तक युगांडा में रहे और वहां व्यवसाय, सामाजिक सेवा, संस्थागत नेतृत्व तथा भारत-युगांडा संबंधों से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई। वर्तमान में भी वे अफ्रीका और भारत से जुड़े विभिन्न कारोबारी संस्थानों में नेतृत्वकारी भूमिकाओं में सक्रिय हैं। चपलोत का कहना है कि उनका व्यवसाय युगांडा सहित अन्य देशों में संचालित है, उनकी बेटी लंदन में है।

केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने दिया प्रशंसा पत्र

हाल ही राजेश चपलोत की लिखी बुक नंदू और दादू और उनकी उपलब्धियों को लेकर केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने भी चपलोत को प्रशंसापत्र दिया है। इस बुक में चपलोत ने वर्तमान परिवेश में बच्चों में नैतिकता को लेकर अहम पहलुओं पर बात की है। इसके अलावा वे नमस्ते अफ्रीका और टाइम बुक लिख रहे हैं।

रक्षा मंत्रालय ने निर्यात नियम किये सरल

मानक संचालन प्रक्रिया बनाई : संवेदनशील और प्रतिबंधित देशों को छोड़कर सभी ओपन जनरल लाइसेंस के दायरे में

● नई दिल्ली

रक्षा उत्पादन विभाग ने रक्षा निर्यात बढाने के उद्देश्य से भारतीय रक्षा कंपनियों के लिए प्रक्रियागत आवश्यकताओं को कम करने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक तेजी से पहुंच को सुगम बनाने के उद्देश्य से रक्षा निर्यात मानक संचालन प्रक्रिया तथा ओपन जनरल एक्सपोर्ट लाइसेंस ढांचे (ओजीईएल) को सरल बनाने के लिए कई सुधार किए हैं। रक्षा मंत्रालय के अनुसार संशोधित रक्षा निर्यात मानक प्रक्रिया के तहत, अधिकांश देशों को गैर-घातक रक्षा वस्तुओं के निर्यात के लिए हितधारक परामर्श की आवश्यकता समाप्त कर दी गई है, जबकि संवेदनशील देशों के लिए सुरक्षा उपाय बरकरार रखे गए हैं। अंतरराष्ट्रीय निविदाओं और प्रदर्शनियों के लिए सभी वस्तुओं के निर्यात के वास्ते भी परामर्श की आवश्यकता समाप्त कर दी गई है।

ओजीईएल के ढांचे में भी संशोधन किया गया है। प्रमुख प्लेटफॉर्म , उपकरण, पुर्जों और घटकों तथा कंपनियों के भीतर प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को कवर करने वाली तीन मौजूदा मानक प्रक्रिया को एक एकीकृत मानक प्रक्रिया में समेकित किया गया है। ओजीईएल की वैधता दो वर्ष से बढ़ाकर तीन वर्ष कर दी गई है। इसके दायरे को भी 41 देशों से बढ़ाकर सभी देशों तक कर दिया गया है, सिवाय नकारात्मक या संवेदनशील देशों और उन देशों के जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रतिबंधों या हथियार प्रतिबंधों का सामना कर रहे हैं।

ओजीईएल में शामिल वस्तुओं की श्रेणी का विस्तार किया

संशोधित ढांचे में विदेशी मूल उपकरण निर्माताओं (एफओईएम) के साथ दीर्घकालिक अनुबंध या समझौते रखने वाली भारतीय कंपनियों के लिए एक प्रावधान किया गया है। इसके तहत निर्धारित शर्तों के अधीन, पात्र वस्तुओं और संबंधित एफओईएम के लिए ओजीईएल प्रदान किया जा सकता है, जिसकी वैधता अंतर्निहित अनुबंध या समझौते के अनुरूप होगी। ओजीईएल के तहत शामिल वस्तुओं की श्रेणी का विस्तार किया गया है। संशोधित ढांचा छोटे-कैलिबर हथियारों के निर्दिष्ट पुर्जों और घटकों तथा सुरक्षात्मक उपकरणों के नागरिक अंतिम-उपयोग वाले निर्यात की भी अनुमति देता है। सुधारों के तहत संवेदनशील वस्तुओं, प्रौद्योगिकियों और गंतव्यों के लिए सुरक्षा उपाय बरकरार रखते हुए नियमित प्रक्रियागत आवश्यकताओं को कम किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि इन उपायों से भारतीय रक्षा निर्माताओं, जिनमें एमएसएमई भी शामिल हैं, को अंतरराष्ट्रीय निविदाओं और प्रदर्शनियों के लिए अधिक तेजी से प्रतिक्रिया देने, वैश्विक बाजारों तक व्यापक पहुंच बनाने और बार-बार प्राधिकरण की आवश्यकताओं को कम करने में लाभ होने की उम्मीद है। ये सुधार ऐसे समय में किए गए हैं जब रक्षा उत्पादन 1.78 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़कों पर उतरे इंडोनेशियाई युवा व जेन जी

प्रदर्शन के बाद भड़की हिंसा, संसद में घुसने का प्रयास

● जकार्ता

इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में संसद के सामने चल रहा आंदोलन शुक्रवार को दूसरे दिन में प्रवेश कर गया। आंदोलनकारी संपत्ति जब्ती बिल शीघ्र पारित करने और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सख्त सजा की मांग को लेकर भारी विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गयी है।

जकार्ता पोस्ट ने बताया कि अज्ञात उपद्रवियों ने संसद परिसर में जबरन घुसने का प्रयास किया और कचरे में आग लगा दी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने तेज पानी की बौछारें और आंसू गैस का इस्तेमाल किया

लेकिन इसके बाद भी हिंसा पेजोम्पोंगन और स्लिपी इलाकों में फैल गई। इस आंदोलन की मुख्य ऊर्जा, सोशल मीडिया पर लामबंदी और सड़कों पर अग्रिम भूमिका युवाओं, विवि के छात्रों और जेन जी की रही है हालांकि इनके अलावा समाज के दूसरे वर्ग के लोग भी इस आंदोलन में शामिल हुए।

पंजाब में सीमा पार तस्करी मॉड्यूल का हुआ भंडाफोड़

2.9 किग्रा हेरोइन और 8 पिस्तौल समेत 6 गिरफ्तार

● अमृतसर

पंजाब पुलिस ने नशा और अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अमृतसर में दो अलग-अलग अभियानों के दौरान सीमा पार तस्करी से जुड़े मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 2.9 किलो हेरोइन, 8 पिस्तौल और 6 कारतूस बरामद किये हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने शुक्रवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमृतसर के गांव भिंडी औलख निवासी इंदरपाल सिंह और सिकंदरजीत सिंह, कक्कड़ निवासी हैप्पी सिंह उर्फ वीरपाल सिंह, गुरदासपुर के महल निवासी सुनील मसीह और राजन मसीह तथा अमृतसर के नूरपुर निवासी प्रदीप सिंह के रूप में हुई है।

पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल हुंडई वेन्यू कार और स्प्लेंडर बाइक भी जब्त की है। डीजीपी के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी सीमा पार से ड्रोन के जरिए हथियारों और नशीले पदार्थों की खेप हासिल कर उन्हें पंजाब में आपराधिक तत्वों तक पहुंचाते थे।

अनंतनाग में धोखाधड़ी में भाजपा नेता पर केस

● श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने भाजपा के अनंतनाग जिला महासचिव आबिद नेगरू के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का केस दर्ज किया है।

भाजपा नेता पर सरकारी नौकरी दिलाने व अमरनाथ यात्रा में पहलगाम में टेंट लगाने की अनुमति दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने का आरोप है। अनंतनाग पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी और जालसाज़ी के आरोपों वाली लिखित शिकायत के बाद यह केस दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि उन्हें लिखित शिकायत मिली। व्यक्ति ने आरोप लगाया कि बिजबेहरा के करंडीगाम निवासी आबिद ने उनसे धोखाधड़ी की है। शिकायतकर्ता खानाबल के जीडीसी छात्रावास में रह रहा हैं। आरोपी ने शिकायतकर्ता को यह कहकर झांसे में लिया कि वह पुलिस विभाग में एसपीओ के तौर पर सरकारी नौकरी दिला सकता है। और अपनी राजनीतिक पहुंच का इस्तेमाल करके अमरनाथ जी यात्रियों के लिए पहलगाम में टेंट लगाने की अनुमति भी दिला सकता है। शिकायतकर्ता ने आगे आरोप लगाया कि इन आश्वासनों और बातों के आधार पर उनसे कुल 8,25,000 रुपये लिये गये।

कहां है एस-400, लोकेशन पता करने के लिए पाकिस्तान ने लगाए थे जासूस

रिटायर्ड एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा ने किया बड़ा खुलासा

● नई दिल्ली

पाक के एयर थ्रेट का मुकाबला करने में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम भारत का कवच बन गया। अब एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा (रिटायर्ड) ने खुलासा किया है कि पाक इन स-400 सिस्टम का पता लगाने के लिए इतना बेताब था कि उसने मई 2025 के टकराव के दौरान भारत के भीतर जासूसों और स्लीपर सेल को सक्रिय कर दिया था। ऑपरेशन सिंदूर के समय वेस्टर्न एयर कमांड के प्रमुख रहे मिश्रा ने एक इंटरव्यू में कहा कि एस-400 की वजह से पाक के लड़ाकू विमान भारतीय सीमा के 200 किमी के दायरे में भी नहीं आ सके।

सर्वोत्तम युद्ध सेवा मेडल पाने वाले एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा ने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जो खुलासे किए हैं, वे अब तक के सबसे विस्तृत खुलासे हैं। एयर मार्शल के अनुसार संघर्ष के दौरान पाक के हवाई ऑपरेशन्स के लिए रूस में बना एस-400 सिस्टम सबसे बड़ा खतरा बनकर उभरा। मिश्रा ने कहा कि इसने पाक को अपनी हर चाल आज़माने पर मजबूर कर दिया। एयर मार्शल ने कहा कि पाक यह पता लगाने के लिए बेताब थे कि ये एस-400 रखा कहां गया हैं।

उन्होंने हर मुमकिन तरीका अपनाया। उन्हें दूसरे देशों से सैटेलाइट से भी मदद मिल रही थी। हालांकि मिश्रा ने उन देशों का नाम नहीं लिया, लेकिन सेना के एक अधिकारी ने पहले ही पुष्टि की थी कि चीन अपने 'ऑल वेदर फ्रेंड' पाक को रियल-टाइम इंटेलिजेंस जानकारी दे रहा था।

एयर मार्शल ने बताया कि जब भी पाकिस्तानी हवा में उड़ान भरते, एस-400 उन्हें मार गिराता। उनके लिए एस-400 सबसे बड़ा खतरा था। एसय-400 की लोकेशन का पता लगाने के लिए उन्होंने भारत के अंदर जासूसों और स्लीपर सेल को भी एक्टिवेट किया। एस-400, जिसे भारत का सुदर्शन चक्र कहा जाता है, एक ज़मीन से हवा में मार करने वाला मिसाइल सिस्टम है जो देश की हवाई सुरक्षा का एक अहम हिस्सा है।

भारतीय सेना को कोई भी पाबंदी का सामना नहीं करना पड़ा

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें 25 पर्यटक मारे गए थे। एयर मार्शल ने कहा कि सेना को ऑपरेशनल आज़ादी तो दी गई थी, लेकिन सरकार का निर्देश था कि आम नागरिकों को कोई नुकसान न हो। मिश्रा ने कहा कि निर्देश यह था कि कोई कोलेटरल डैमेज (आम लोगों को नुकसान) न हो। हम नहीं चाहते कि आम नागरिक प्रभावित हों. सिर्फ़ आतंकियों और उनके आकाओं को सज़ा दी जानी है। उन्होंने आगे कहा कि कोई पाबंदी नहीं थी। यह तय करना सेना पर छोड़ा गया था कि युद्ध कैसे लड़ा जाए। मिश्रा ने कहा कि 7 मई को भारत द्वारा जैश और लश्कर के ठिकानों सहित नौ आतंकी कैंपों पर हमला करने के बाद मामला खत्म हो सकता था, लेकिन पाक ने तनाव बढ़ाने का रास्ता चुना।

पाक कैसे घुटनों के बल आया

आईएएफ ने सबसे पहले ज़मीन पर मौजूद रडार और कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटरों को निशाना बनाकर पाक की हवाई ऑपरेशन का पता लगाने और उन्हें कोऑर्डिनेट करने की क्षमता को खत्म कर दिया। हमने उनके सभी रडार नष्ट कर दिए, जिनमें पंजाब में मौजूद अमेरिकी एएन/टीपीएस सीरीज़ के रडार भी शामिल थे। हमने उनके दो कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर भी तबाह कर दिए।

इस तरह, वे अंधे हो गए। ज़मीन पर मौजूद रडार नष्ट होने के बाद, पाक सेना हवाई प्लेटफॉर्म या अवाक्स पर ज्यादा निर्भर हो गई। सरगोधा से एक अवाक्स विमान तैनात किया गया था, लेकिन उसे एस-400 मिसाइल से मार गिराया गया।

आज का इतिहास

- **1612** : सूरत की लड़ाई में अंग्रेजों ने पुर्तग़ालियों को हराया।
- **1831**: ब्रिटेन के माइकल फैराडे ने पहली बार ट्रांसफार्मर का प्रर्दशन किया।
- **1833**: ब्रिटिश दास उन्मूलन अधिनियम ने कानून का रूप लिया।
- **1842** : ग्रेट ब्रिटेन और चीन ने नानकिंग की संधि पर हस्ताक्षर किये।
- **1887** : भारत के प्रमुख चिकित्सक और देश सेवक जीवराज मेहता का जन्म।
- **1904** : अमेरिका के सेंट लुई में तीसरे ओलंपिक खेलों की शुरुआत।
- **1905** : भारत के ख्याति प्राप्त हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद का जन्म।

अंकित की पीएम रिपोर्ट आई- नौ गोली लगी, 5 शरीर में ही फंसी

लारेंस गैंग से जुड़े गोगी ग्रुप ने इंस्टाग्राम पर ली जिम्मेदारी

● शामली

हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान की बुधवार शाम नाला पटरी मार्ग पर जिम से बाहर निकलते ही बदमाशों ने गोलियों से भूनकर हत्या कर दी थी। कुछ घंटे बाद ही रात में इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लारेंस गैंग से जुड़े गोगी ग्रुप के भोलू शाहपुरिया ने हत्याकांड की जिम्मेदारी लेने का दावा किया था।

इसके अलावा गुरुवार को दिन में हरियाणवी सिंगर भूपेंद्र ढींगरा ने खुद का वीडियो प्रसारित कर दावा किया कि अंकित की उसने हत्या कराई है। चूंकि अंकित ने उसको गाली दी थी। हालांकि अंकित के पिता ने कहा कि उनके पुत्र की ऐसी किसी बड़े गैंग से कोई दुश्मनी नहीं थी। इसमें किसी हरियाणवी सिंगर का हाथ हो सकता है। उधर, पीएम रिपोर्ट के अनुसार अंकित को नौ गोली लगी थी। पांच शरीर में फंसी रहीं, जबकि चार बाहर निकल गई थी।

गुरुवार दोपहर पुलिस मौजूदगी में शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। देर शाम तक जनप्रतिनिधि और ग्रामीणों का आना-जाना अंकित के घर लगा रहा। हत्याकांड को अंजाम देने वाले दो शूटरों का फोटो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ है। बुधवार शाम पौने सात बजे चार शूटरों ने कोतवाली क्षेत्र के आर्यपुरी में मसल्स श्री बालाजी जिम से बाहर निकलते ही अंकित की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी थी।

1994 के रवांडा नरसंहार के दोषी को नीदरलैंड की कोर्ट ने दी उम्रकैद की सजा

द हेग, (आरएनएन)। नीदरलैंड की एक लोअर कोर्ट ने शुक्रवार को 1994 के रवांडा नरसंहार और युद्ध अपराधों के मामले में यूजीन एन. (67) को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने यूजीन को एक स्टेडियम में शरण लेने वाले तुत्सी समुदाय के लगभग 3,000 लोगों की सामूहिक हत्या में शामिल होने का दोषी पाया।

डच कोर्ट के फैसले में कहा गया है कि अप्रैल 1994 में रवांडा के ब्यिज़ा स्थित स्टेडियम में हुतू समर्थकों की भीड़ को निर्देश दिए गए थे कि कोई भी तुत्सी नागरिक जीवित बचकर न निकल सके। इस दौरान भीड़ पर गोलियां चलाई गईं, हथगोले फेंके गए और बचे हुए लोगों की क्लब और धारदार हथियारों से हत्या कर दी गई।

कोर्ट ने माना कि दोषी ने खुद भी भीड़ पर एक ग्रेनेड फेंका था। इसके अलावा यूजीन पर एम्बाज़ी क्षेत्र में तुत्सी आबादी वाले इलाकों में लूटपाट और आगजनी कराने का भी दोष सिद्ध हुआ। यूजीन 1998 में रवांडा से भागकर यहां (नीदरलैंड) आ गया था और बाद में उसने नीदरलैंड की ही नागरिकता हासिल कर ली थी।

सुपुर्दगी नवीनतम पोत समुद्री निगरानी, टोह गश्ती अभियान में है सक्षम

बहुउद्देश्यीय पोत समर्थक नौसेना को मिला

● नई दिल्ली

देश में निर्मित पहला बहुउद्देश्यीय पोत समर्थक गुरुवार को भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया। यह नवीनतम पोत समुद्री निगरानी, टोह अभियान और समुद्र में गश्त समेत विभिन्न गतिविधियों को अंजाम देने के लिए तैयार किया गया है।

पोत में 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। इस पोत का निर्माण लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड के कट्टुपल्ली शिपयार्ड में किया गया है। नौसेना के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह पोत विभिन्न नौसैनिक गतिविधियों में सहायता करने में सक्षम है। यह मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों में सहयोग से जुड़ी गतिविधियां को अंजाम दे सकता है। पोत की लंबाई 106 मीटर और चौड़ाई 16.8 मीटर है।

इस पोत की अधिकतम गति 15 समुद्री मील (नॉट) होगी। अधिकारी ने कहा कि पोत का नाम समर्थक रखा जाना सार्थक है और यह नाम विभिन्न अभियानों में एक भरोसेमंद सहयोगी के रूप में इसकी भूमिका को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह पोत आत्मनिर्भर घरेलू रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की दिशा में भारत के प्रयासों का प्रमाण है।

निपुण : भारतीय नौसेना की पनडुब्बी बचाव क्षमता को मिलेगा नया सहारा

मुम्बई। भारतीय नौसेना 31 अगस्त को मुंबई के नौसैनिक डॉकयार्ड में अपने दूसरे स्वदेशी निस्तार-श्रेणी डाइविंग सपोर्ट वेसल निपुण को कमीशन करने जा रही है। यह जहाज समुद्र के भीतर जटिल अभियानों, गहरे पानी में डाइविंग और पनडुब्बी बचाव से जुड़े कार्यों के लिए नौसेना की क्षमता को और मजबूत करेगा। निपुण को हिंदुस्तान शिपयार्ड लि. ने 30 जुलाई को विशाखापत्तनम में नौसेना को सौंपा था। इस परियोजना के तहत दो विशेष डाइविंग सपोर्ट वेसल बनाए गए हैं, जिनमें निस्तार पहले ही सक्रिय सेवा में शामिल हो चुका है और निपुण इस श्रेणी का दूसरा तथा अंतिम जहाज है। डाइविंग सपोर्ट वेसल सामान्य युद्धपोत नहीं होते, बल्कि इन्हें विशेष रूप से पानी के नीचे के अभियानों के लिए तैयार किया जाता है। इनमें सैचुरेशन डाइविंग सिस्टम, डाइविंग चैंबर, साइड डाइविंग स्टेज और रिमोटली ऑपरेटेड व्हीकल्स जैसी सुविधाएँ होती हैं।

चुनाव प्रबंधन में सहयोग पर भारत-अर्जेंटीना सहमत

नई दिल्ली, आरएनएन। भारत और अर्जेंटीना ने चुनाव प्रबंधन के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने तथा चुनावी कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जताई है। चुनाव आयोग ने सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार को लिखा कि मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव सहायता संस्थान के सदस्य देशों की परिषद के अध्यक्ष ज्ञानेश कुमार ने यहां अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो अगस्टिन कौसिनो से मुलाकात के दौरान यह बात कही।

दोनों पक्षों ने आईआईसीडीईएम-2026 में तय दृष्टिकोण के अनुरूप लोकतांत्रिक सहयोग को मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता दोहराई और चुनाव प्रबंधन तथा चुनावी कर्मचारियों के प्रशिक्षण के क्षेत्र में सहयोग को और गहरा करने पर सहमति जताई।

जीएसटी केस निपटाने के लिए 1.50 करोड़ रु.की रखी डिमांड, 40 लाख में हुआ सौदा

सीबीआई ने सीजीएसटी के एडिशनल कमिश्नर और सुपरिंटेंडेंट हुए गिरफ्तार

मुम्बई, आरएनएन। महाराष्ट्र के रायगढ़ में केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीबीआई ने 40 लाख रुपये की रिश्वत के मामले में सीजीएसटी के एडिशनल कमिश्नर समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में सीजीएसटी के एडिशनल कमिश्नर और आईआरएस अधिकारी विनय कुमार कन्हेटी, रायगढ़ के सीजीएसटी सुपरिंटेंडेंट राकेश कुमार सिन्हा और निजी व्यक्ति नरेंद्र राजपूत शामिल हैं। तीनों की गिरफ्तारी गुरुवार को की गई। सीबीआई ने इस मामले में बुधवार को केस दर्ज किया था। मामला एक पत्थर खनन कंपनी से जुड़े जीएसटी और रॉयल्टी विवाद को निपटाने के लिए रिश्वत मांगने के आरोप से जुड़ा है। आरोप है कि सीजीएसटी के सुपरिंटेंडेंट राकेश कुमार सिन्हा ने शिकायतकर्ता से केस निपटाने के बदले 1.50 करोड़ की अनुचित रकम मांगी थी। बाद में वार्ता के बाद रिश्वत की रकम घटाकर 40 लाख कर दी गई। शिकायत मिलने पर सीबीआई ने एक्शन लिया ।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)
दिन | पूर्व रात
348=5 | 450=9
590=4 | 440=8
www.kalyangame.com

संक्षिप्त समाचार

नेपाल-चीन में 1500 के करीब लोग लापता, इनमें बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक शामिल, मृतकों का आंकड़ा 175 हुआ

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल त्रासदी की भयावहता कितनी बड़ी है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें नेपाल और चीन में 1500 के करीब लोग लापता हैं। जिनमें तिब्बत में 588 लोगों के लापता होने की जानकारी सामने आई है। वहीं नेपाल सरकार ने कहा है कि उनके वहां 800 से ज्यादा लोग लापता हैं, जिनमें बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक शामिल हैं। नेपाल के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का कहना है कि अचानक आई बाढ़ के बाद 826 लोग संपर्क से बाहर हैं। इनमें 579 पर्यटक शामिल हैं। लापता लोगों में नेपाली सशस्त्र बलों के 85 जवान भी शामिल हैं। वहीं विभिन्न हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट में काम कर रहे 162 स्टाफ सदस्यों के बारे में भी कुछ पता नहीं चल सका है।

पुजारी ने बुरी आत्मा के अनुष्ठान के नाम पर महिला से किया उत्पीड़न, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

टोरंटो, एजेंसी। अमेरिका के एक हिंदू पुजारी को कनाडा में यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का आरोप है कि उसने ओंटारियो के ओशावा में एक धार्मिक अनुष्ठान के दौरान अपने धार्मिक पद का दुरुपयोग किया। डरहम क्षेत्रीय पुलिस ने बताया कि संदिग्ध को एक परिवार ने अमेरिका से बुलाकर एक हिंदू धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए कहा था। डरहम क्षेत्रीय पुलिस के बयान के अनुसार, पूर्वी डिवीजन के सदस्यों ने मंगलवार, 25 अगस्त को हारमनी रोड नॉर्थ और कॉनलिन रोड ईस्ट के इलाके में यौन उत्पीड़न की शिकायत पर कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि पीड़िता और उसके परिवार ने एक पुजारी को धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए बुलाया था। आरोपी ने कथित तौर पर महिला को यह विश्वास दिलाया कि उस पर बुरी आत्मा का साया है और उसे ठीक होने के लिए एक निजी अनुष्ठान की आवश्यकता है। पुलिस के अनुसार, इसके बाद वह पीड़िता को एक निजी स्थान पर ले गया, जहां कथित तौर पर धार्मिक अनुष्ठान करने के बहाने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया गया। बाद में पुलिस से संपर्क किया गया और बिना किसी घटना के संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की पहचान राजेंद्रनाथ दूदनाथ माराज (50 वर्ष) के रूप में हुई है, जो रिचमंड हिल, न्यूयॉर्क का निवासी है। उस पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है और उसे जमानत सुनवाई के लिए हिरासत में लिया गया है। डरहम क्षेत्रीय पुलिस ने कहा कि उन्हें आशंका है कि अन्य पीड़िति भी हो सकते हैं। उन्होंने जांच के तहत आरोपी की तस्वीर जारी की है। पुलिस घटना या आरोपी से जुड़ी इसी तरह की अन्य घटनाओं के बारे में जानकारी रखने वाले किसी भी व्यक्ति से पूर्वी डिवीजन आपराधिक जांच शाखा के डी/कांस्टेबल क्रोनिन से 1-888-579-1520, एक्सटेंशन 1605 पर संपर्क करने का अनुरोध कर रही है। गुमनाम सूचनाएं डरहम रीजनल क्राइम स्टॉपर्स को 1-800-222-(8477) पर कॉल करके या उनकी वेबसाइट के माध्यम से भी दी जा सकती हैं। सूचना देने वालों को नकद इनाम मिल सकता है।

अमेरिका लौटते समय थाईलैंड में क्यों रुकेगा युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन, पश्चिम एशिया में था तैनात

वॉशिंगटन, एजेंसी। थाई अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि अमेरिका का शक्तिशाली युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन पश्चिम एशिया में अपनी मुश्किल तैनाती के बाद कुछ दिन थाईलैंड में रुकेगा। यूएसएस मिडिल ईस्ट में अपनी मुश्किल तैनाती के बाद थाईलैंड में रुकेगा। यह युद्धपोत ईरान के खिलाफ अमेरिकी युद्ध में मदद कर रहा था, और इसकी तैनाती के दौरान इसने समुद्र में लगातार 250 दिनों से ज्यादा समय बिताया, जो एक रिकॉर्ड है। क्रू की बिगड़ती मानसिक सेहत और खाने-पीने व साफ-सफाई के सामान जैसी जरूरी चीजों की कमी की खबरों के बाद लिंकन की लंबी तैनाती को लेकर चिंताएं बढ़ गई थीं। थाई रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सुरसंत कोंगसिरी ने कहा कि लिंकन अगले हफ्ते अपने अमेरिकी बेस पर लौटने से पहले आराम और रिकवरी के लिए थाईलैंड में रुकेगा। बैंकॉक में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने पत्रकारों से कहा, थाईलैंड में रुकना क्रू के लिए जमीन पर उतरने और आराम करने का एक मौका है। मंगलवार को रॉयल थाई नेवी ने कहा कि अमेरिकी नेवी के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप के तीन जहाज पूर्वी थाईलैंड में रुकेंगे और इस यात्रा के दौरान कोई सैन्य अभ्यास नहीं किया जाएगा। कैरियर की लंबी तैनाती से लंबे समय तक घर से दूर रहने वाले जवानों पर असर पड़ता है और जहाज व उसके उपकरणों पर भी दबाव बढ़ता है।

नेपाल बाढ़ में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 175 हुआ, लापता लोगों में 476 विदेशी नागरिक शामिल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में बुधवार को आई भयंकर त्रासदी में मृतकों का आंकड़ा 150 के पार पहुंच गया है। तिब्बत सीमा पर अचानक आई बाढ़ अपने रास्ते में सबकुछ बहाकर ले गई। इस बाढ़ में कई पुल, हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट तबाह हो गए। एक हजार के करीब लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं और इनमें 133 भारतीय भी शामिल हैं।

नेपाल बाढ़ में मृतकों का आंकड़ा 175 हुआ : नेपाल में बुधवार को आई त्रासदी में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 175 हो गया है। नेपाल सरकार के आंकड़ों के अनुसार, सैंकड़ों लोग लापता हैं, जिनमें 28 देशों के 476 विदेशी नागरिक शामिल हैं। नेपाल सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग ने बताया कि लापता लोगों में नेपाली सेना के 44, नेपाली पुलिस के 28 और नेपाल सशस्त्र बलों के 13 जवान भी लापता हैं। नेपाल पर्यटन बोर्ड ने कहा है कि लापता लोगों में 579 पर्यटक है।

नेपाल बाढ़ पर दुनियाभर के नेताओं ने जताया शोक, हर संभव मदद को लेकर दिखाई एकजुटता नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ में अब तक 162 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि सुरक्षाकर्मियों और पर्यटकों समेत सैकड़ों लोग अभी भी लापता हैं। इस त्रासदी को लेकर दुनियाभर के नेताओं ने दुख जताते हुए नेपाल और पीड़ित लोगों के साथ एकजुटता जाहिर की। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने त्रासदी को लेकर गहरा दुख जताते हुए यूरोप की ओर से अधिक से अधिक सहायता की बात कही।

यूरोपीय संघ की अध्यक्ष ने जताया दुख : अध्यक्ष उर्सुला वॉन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में लिखा, %नेपाल और चीन में आई विनाशकारी बाढ़ ने कई समुदायों को बुरी तरह प्रभावित किया है। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जो इस आपदा से प्रभावित हुए हैं, खासकर उन परिवारों के साथ जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है या जो अब भी उनके बारे में किसी खबर का इंतजार कर रहे हैं। हम उन बहादुर राहत और बचाव कर्मियों को भी याद कर रहे हैं जो कठिन परिस्थितियों में लोगों की मदद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नेपाल में प्रभावित इलाकों का नक्शा तैयार करने और जमीनी स्तर पर राहत कार्यों में सहायता देने के लिए कोपरनिकस प्रणाली को सक्रिय किया गया है। यूरोपीय संघ जरूरत पड़ने पर और अधिक सहायता देने के लिए भी तैयार है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव बोले- राहत और बचाव कार्यों में सहयोग कर रहे : संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने एक्स पोस्ट में कहा, नेपाल और चीन में आई भीषण बाढ़ से मुझे गहरा दुख हुआ है। इस आपदा में कई लोगों की जान गई है, कई लोग लापता हैं और बड़े पैमाने पर तबाही हुई है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। इस आपदा से प्रभावित सभी लोगों के प्रति मेरी पूरी एकजुटता और सहानुभूति है। नेपाल में संयुक्त राष्ट्र सरकार के नेतृत्व में चलाए जा रहे राहत और बचाव प्रयासों में सहयोग कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र की टीमें और मानवीय सहायता से जुड़े साझेदार संगठन बाढ़ प्रभावित समुदायों की मदद के लिए राहत सामग्री और कर्मियों को तेजी से जुटा रहे हैं। नीदरलैंड के विदेश मंत्री टॉम बेरेंडसन ने भी इस आपदा पर गहरा दुख जताते हुए एक्स पोस्ट में लिखा, नेपाल-चीन सीमा क्षेत्र में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित सभी लोगों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति हम गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हैं। वहीं, जो लोग अपने परिवार या करीबी लोगों की खबर का इंतजार कर रहे हैं, उन्हें हम हिम्मत और शक्ति की कामना करते हैं। हम कठिन परिस्थितियों में राहत और बचाव कार्य कर रहे नेपाली अधिकारियों और आपदा राहतकर्मियों के प्रयासों की सराहना करते हैं। हम स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं, जिसमें प्रभावित क्षेत्र में मौजूद डच नागरिकों की स्थिति भी शामिल है।

जापान की प्रधानमंत्री ने भी संवेदनाएं जाहिर कीं : वहीं, जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने भी नेपाल बाढ़ त्रासदी पर दुख व्यक्त किया। तकाइची ने एक्स पोस्ट में लिखा, नेपाल में आई व्यापक बाढ़ के मद्देनजर, मैं नेपाल सरकार और नेपाल की जनता के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पांच जापानी नागरिक लापता हैं।

संघ प्रमुख के अमेरिका में कार्यक्रम को लेकर अलर्ट, हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने चेतावनी क्यों जारी की

वॉशिंगटन, एजेंसी। संघ प्रमुख मोहन भागवत अमेरिका दौरे पर हैं। उनका यह दौरा शुरुआत से ही चर्चाओं में बना हुआ है। अब अमेरिका के एक गैर लाभकारी हिंदू संगठन हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने एक अलर्ट जारी किया है। इस अलर्ट में हिंदू समुदाय के लोगों से मोहन भागवत के मैडिसन स्कवायर गार्डन में होने वाले कार्यक्रम के लिए सतर्क रहने की अपील की गई है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन एक गैर-लाभकारी, शैक्षिक संगठन है, जिसकी स्थापना साल 2003 में हुई थी। इसका मुख्यालय वॉशिंगटन डीसी में है। यह संगठन अमेरिका में रहने वाले हिंदू समुदाय के हितों का ध्यान रखता है।

मोहन भागवत के कार्यक्रम से पहले हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने सोशल मीडिया पर साझा एक बयान में कहा- सामुदायिक परामर्श! हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन, न्यूयॉर्क शहर के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में होने वाले सार्वभौमिक एकता समारोह से पहले यह सुरक्षा चेतावनी जारी कर रहा है। सतर्क रहें, हालात से अवगत रहें और शालीनता बनाए रखें।

संगठन ने कहा, हिंदू अमेरिकियों को निशाना बनाने वाले लोगों ने समारोह को बाधित करने का प्रयास किया है। हम न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी से अपील करते हैं कि वे कार्यक्रम में उपस्थित लोगों सहित सभी न्यूयॉर्कवासियों की रक्षा करने के अपने कर्तव्य का पालन

करें और सभी नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा की गारंटी दें।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन की यह चेतावनी ऐसे समय सामने आई है, जब अमेरिकी मानवाधिकार निकाय, यूएससीआईआरएफ ने संघ प्रमुख के अमेरिका दौरे का विरोध किया है। पाकिस्तानी-अमेरिकी नागरिक आसिफ महमूद की अध्यक्षता वाले यूएससीआईआरएफ ने कहा है कि भारत में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति बिगड़ रही है और इस निकाय ने अमेरिका से आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की मांग पर विचार करने को कहा है।

हालांकि विदेश मंत्रालय ने 21 अगस्त को एक ब्रीफिंग में यूएससीआईआरएफ के बयान की कड़ी निंदा की थी और यूएससीआईआरएफ की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि यूएससीआईआरएफ एक पक्षपाती संस्था है और यह वर्षों से भारत के बारे में गलत और भड़काऊ बयान देती रही है।

पाकिस्तान में 200 साल पुराना गुरुद्वारा गिराया, सिखों की विरासत की जा रही खत्म

क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में करीब 200 साल पुराने ऐतिहासिक 'श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा' को गिरा दिया गया। अब इस जगह पर एक मॉल का निर्माण किया जा रहा है। बलूचिस्तान गुरुद्वारा सिंह सभा के सदस्य सरदार जसबीर सिंह के अनुसार, पूरा सिख समाज इसका विरोध कर रहा है, लेकिन अभी तक सरकार कोई एक्शन नहीं ले रही। उन्होंने बताया कि बलूचिस्तान में कभी 12 गुरुद्वारे थे, जिनमें से अब सिर्फ 2 बचे हैं।

गुरुद्वारे को गिराए जाने पर भारत में भी कड़ा विरोध हो रहा है। भाजपा के नेशनल स्पोक्सपर्सन आरपी सिंह ने कहा कि ये पाकिस्तान में सिखों की विरासत खत्म करने की कोशिश है। अकाल तख्त साहिब को पाकिस्तान सरकार के सामने मामला उठाना चाहिए और स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। क्वेटा के आर्चर रोड स्थित श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा परिसर में बाद में सेंट गैब्रिएल स्कूल संचालित हो रहा था। सिख समुदाय के नेता सरदार जसबीर सिंह के मुताबिक, अब उसी गुरुद्वारे को ढहाकर यहां शॉपिंग प्लाजा का निर्माण कराया जा रहा है। मामला बलूचिस्तान हाई कोर्ट तक पहुंचा, लेकिन कोर्ट ने फिलहाल निर्माण रोकने से इनकार कर दिया है।

निजी बिल्डर को जमीन बेची गई

सिख समुदाय के मुताबिक, यह जमीन श्री गुरु सिंह सभा से जुड़ी संपत्ति थी। आरोप है कि इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड ने इसे एक निजी बिल्डर को बेच दिया। अब सवाल उठ रहा है कि इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड को इस धार्मिक संपत्ति को बेचने का अधिकार किस आधार पर मिला और जमीन की बिक्री की प्रक्रिया क्या थी? इस पर पाकिस्तान सरकार या इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड की ओर से आधिकारिक जवाब सामने आना बाकी है।

कैलाश यात्रा का लोकप्रिय नेपाली कॉरिडोर बना मौत का फंदा

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के रसुवा जिले में आई अचानक बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है, जिससे कैलाश मानसरोवर के सैकड़ों तीर्थयात्री बाढ़ की चपेट में आ गए हैं या लापता हो गए हैं। ये तीर्थयात्री एक निजी, लेकिन अत्यधिक लोकप्रिय नेपाली कॉरिडोर का उपयोग कर रहे थे, जो अब जानलेवा साबित हुआ है। बाढ़ के 48 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी सैकड़ों लोगों का कोई पता नहीं है। इसमें बड़ी संख्या में वे पर्यटक और तीर्थयात्री शामिल हैं जो रसुवागढ़ी (ग्यिरोंग) सीमा पर कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाने या वहां से लौटने के लिए औपचारिकताएं पूरी कर रहे थे।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल के रास्ते दो मुख्य निजी मार्ग हैं रसुवागढ़ी (ग्यिरोंग) और हिल्सा (हुमला/सिमिकोट)। इनमें से रसुवा मार्ग उसकी कम लागत के कारण तीर्थयात्रियों के बीच खासा लोकप्रिय है। रिपोर्टों के अनुसार, इस साल 13,500 से अधिक तीर्थयात्रियों ने इस मार्ग को चुना है, जिनमें बड़ी संख्या में भारतीय भी शामिल हैं। भारत सरकार का विदेश मंत्रालय प्रतिवर्ष उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे और सिक्किम के नाथु ला दर्रे से होकर कैलाश मानसरोवर यात्रा का आयोजन करता है। ये यात्राएं 20-22 दिनों तक चलती हैं और इनकी लागत लगभग 2 लाख रुपये आती है। लॉटरी प्रणाली से केवल लगभग 1,000 तीर्थयात्रियों का चयन होता है, जिससे बड़ी संख्या में लोग वैकल्पिक मार्गों की तलाश करते हैं।

इसकारण कई भारतीय और विदेशी नागरिक नेपाल के निजी टूर ऑपरेटरों के माध्यम से यात्रा का कार्यक्रम बनाते हैं। नेपाली ऑपरेटर तिब्बत में प्रवेश के लिए ग्रुप वीजा प्राप्त करते हैं। रसुवा मार्ग काठमांडू से शुरू होकर 5-6 घंटे में रसुवागढ़ी बॉर्डर पहुंचाता है, जहां से तिब्बत में प्रवेश कर दारचेन (कैलाश यात्रा का बेस) जाया जाता है। यह जमीनी मार्ग लगभग 14-15 दिनों में यात्रा पूरी कराता है, और इसका खर्च आधिकारिक मार्ग से काफी कम होता है। यह विशेष रूप से विदेशों में रहने वाले भारतीयों, नेपाली नागरिकों और अन्य देशों के तीर्थयात्रियों के बीच लोकप्रिय है। हाल के आंकड़ों के अनुसार, रसुवागढ़ी चेकप्वाइंट से तिब्बत में दाखिल होने वाले धार्मिक सैलानियों की संख्या में 18.75 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। जबकि दूसरा निजी मार्ग, हिल्सा, मुख्य रूप से हवाई मार्ग है जिसमें हेलीकॉप्टर का उपयोग होता है। यह मार्ग महंगा (लगभग 3 लाख रुपये या उससे अधिक) होने के बावजूद 5 से 11 दिन में यात्रा पूरी कराता है। हालांकि, रसुवा मार्ग की लोकप्रियता ने इस आपदा का केंद्र बना दिया है।

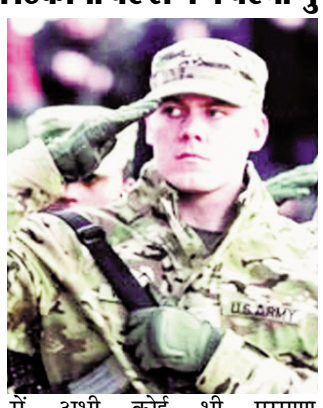

अमेरिकी सेना का प्लान: पांच ठिकानों पर लगेंगे परमाणु माइक्रोरिएक्टर, खर्च होंगे 2.2 अरब डॉलर; क्या है मकसद

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने बुधवार को बताया कि वह न्यूयॉर्क से टेक्सस तक पांच सैन्य ठिकानों पर परमाणु माइक्रोरिएक्टर लगाने की योजना बना रही है। इनसे भरोसेमंद बिजली मिलेगी। इसके लिए सेना को व्यावसायिक बिजली ग्रिड पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। यह घोषणा ऐसे समय हुई है, जब ट्रंप प्रशासन अमेरिका में परमाणु ऊर्जा का विस्तार करने पर जोर दे रहा है। इसका मकसद नई परमाणु तकनीक को बढ़ावा देना है। खासकर डाटा केंद्रों की बढ़ती बिजली जरूरत पूरी करने पर जोर है। इसके तहत बड़े परमाणु रिएक्टरों के लिए अरबों डॉलर के कर्ज दिए जा रहे हैं। उन्नत रिएक्टर डिजाइन और परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए एक पायलट कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है। इसमें सैन्य और आम नागरिक दोनों क्षेत्रों के लिए काम किया जा रहा है। अमेरिका

में अभी कोई भी परमाणु माइक्रोरिएक्टर व्यावसायिक बिजली ग्रिड को बिजली नहीं दे रहा है। सेना ने पांच कंपनियों को चुना है। इन्हें पांच साल में कुल 2.2 अरब डॉलर तक दिए जाएंगे। ये कंपनियां माइक्रोरिएक्टर की मालिक होंगी। इन्हें बनाएंगी और चलाएंगी। हालांकि, इसके लिए उन्हें तय किए गए प्रदर्शन मानकों को पूरा करना होगा। सेना को उम्मीद है कि 20 से ज्यादा परमाणु माइक्रोरिएक्टर बनाए और चलाए जाएंगे। उद्योग और सेना से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि माइक्रोरिएक्टर सैन्य ठिकानों के लिए मजबूत बिजली स्रोत दे सकते हैं। अगर मुख्य बिजली ग्रिड बंद हो जाए, तब भी इनसे जरूरी ढांचे को बिजली मिल सकती है। इन रिएक्टरों को कई साल तक दोबारा ईंधन भरने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सेना के सचिव डैन ड्रिस्कॉल ने कहा कि इन परियोजनाओं से सैन्य ठिकानों तक सुरक्षित और भरोसेमंद लगातार बिजली पहुंचाने की क्षमता तेजी से बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि सेना ऐसी ऊर्जा व्यवस्था बना रही है, जिससे दुनियाभर में सैन्य ताकत इस्तेमाल करने के लिए जरूरी ऊर्जा मिल सके। इसके लिए कमजोर पड़ सकने वाले बाहरी बिजली ग्रिड पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। ये अनुदान सेना के जेनस प्रोग्राम का हिस्सा हैं। यह कार्यक्रम पिछले साल अगली पीढ़ी की परमाणु ऊर्जा विकसित करने के लिए शुरू किया गया था। अधिकारी चाहते हैं कि परमाणु तकनीक का विकास तेजी से आगे बढ़े। उन्नत रिएक्टरों के डिजाइन केवल प्रयोग और शुरुआती मॉडल तक सीमित न रहें। वे कई वर्षों तक बिजली देने में सक्षम हों। सेना के प्रतिष्ठानों, ऊर्जा और पर्यावरण मामलों के प्रधान उप सहायक सचिव जेफ वैक्समैन ने इसे इस दिशा में सबसे आगे की नोक बताया। उन्होंने बुधवार को पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि सेना इसी बदलाव को लाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने साफ किया कि ये डिजाइन केवल अमेरिकी सेना के लिए नहीं बनाए जा रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि नए परमाणु रिएक्टर बहुत महंगे हैं।

बाढ़ ने मचाई भीषण तबाही, 150+ लोगों की मौत; 750 से ज्यादा अभी भी लापता, यूपी-बिहार में अलर्ट

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में तिब्बत से अचानक आई भीषण बाढ़ ने कई कस्बों और गांवों में भारी तबाही मचाई। नेपाल पुलिस के अनुसार, बाढ़ में 157 लोगों की मौत हो गई है और 750 से अधिक लोग अब भी लापता हैं। लापता लोगों में 133 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। बाढ़ से कई महत्वपूर्ण पुल बह गए और करीब एक दर्जन जलविद्युत परियोजनाएं प्रभावित हुई हैं। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने संसद को बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह 8-37 बजे तिब्बत क्षेत्र में भूकंप आया था। इसके तीन मिनट बाद अचानक बाढ़ की सूचना मिली। इससे आशंका है कि भूकंप के झटकों से ग्लेशियर से अचानक पानी निकलने की घटना हुई, जिससे बाढ़ आई।

नेपाल में बाढ़ से यूपी-बिहार में अलर्ट : नेपाल में आई अचानक बाढ़ ने उत्तर प्रदेश के महाराजगंज और कुशीनगर समेत बिहार के लिए भी खतरे की घंटी बजा दी है। बाढ़ का पानी त्रिशूली नदी तक पहुंचने और वहां जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर दर्ज होने के बाद बिहार और यूपी सरकार ने गंडक और नारायणी नदी से जुड़े जिलों में अलर्ट जारी कर दिया है।

विदेश मंत्रालय लगातार नेपाल सरकार के संपर्क में है। बिहार के पश्चिम चंपारण, गोपालगंज और मुजफ्फरपुर समेत गंडक के तटवर्ती इलाकों में प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है। लोगों से नदी से दूर रहने, निचले इलाकों को खाली करने के लिए कहा गया है। राज्य के बाढ़ निगरानी तंत्र के मुताबिक पूर्वी चंपारण के डुमरियाघाट में गंडक नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर दर्ज किया गया, जबकि रेवा घाट पर नदी चेतावनी स्तर पार कर चुकी है।

एनडीआरएफ की 20 टीमें की गई तैनात : नेपाल से आने वाले अतिरिक्त पानी को देखते हुए अगले कुछ घंटों को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जल संसाधन विभाग को तटबंधों पर चौबीसों घंटे निगरानी के लिए कहा गया है। स्थिति का आकलन करने के बाद, पश्चिमी चंपारण और मुजफ्फरपुर में तैनाती के लिए एनडीआरएफ की दो टीमें भेजी गई हैं। बिहार में कुल नौ टीमें तैनात हैं। उत्तर प्रदेश में भी राज्य सरकार स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है। कुशीनगर जिले में एनडीआरएफ की एक अतिरिक्त टीम तैनात की गई है, जिसके गंडक नदी के करीब होने के कारण प्रभावित होने की संभावना है। बाढ़ की चेतावनी और बचाव कार्यों के लिए यूपी में कुल 11 टीमें तैनात हैं।

नेपाल में कैसे बाढ़ ने मचाई तबाही : अधिकारियों के अनुसार, भोटे कोशी नदी में आई बाढ़ से तिब्बत की सीमा से लगे रसुवा और धादिंग जिले प्रभावित हुए हैं। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, चट्टान खिसकने और नेपाल-तिब्बत सीमा के पास बहने वाली ल्हेंदे नदी में पानी बढ़ने के कारण रसुवा जिले के सीमावर्ती शहर टिमुरे में भोटे कोशी नदी के रास्ते बाढ़ का पानी त्रिशूली नदी में पहुंचा। इसके बाद बाढ़ नदी के रास्ते नुवाकोट, चितवन, गोरखा, तनहूं और नवलपरासी पूर्व जैसे अन्य जिलों तक फैल गई। ये इलाके काठमांडू से करीब 70 किलोमीटर से लेकर लगभग 200 किलोमीटर तक की दूरी पर हैं। नेपाल सरकार ने बताया कि करीब 750 लोग लापता हैं। वहीं, चीन के सरकारी समाचार चैनल सीजीटीएन के अनुसार, सीमा के चीनी हिस्से में तीन लोगों की मौत हुई है।

नेपाल में तबाही के एक दिन बाद सामने आया बड़ा खतरा, 47 ग्लेशियल झीलें बन सकती हैं बाढ़ की वजह

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 47 ग्लेशियल झीलों को संभावित रूप से खतरनाक माना गया है। वैज्ञानिक आकलन के अनुसार, इन झीलों के फटने से ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (तरह्लस्र) यानी अचानक आने वाली विनाशकारी बाढ़ का खतरा है। ऐसी बाढ़ नेपाल की प्रमुख नदी घाटियों में रहने वाले लोगों के साथ-साथ सड़कों, पुलों और जलविद्युत परियोजनाओं को भी भारी नुकसान पहुंचा सकती है। यह आकलन इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट और नेपाल सरकार की ओर से किए गए वैज्ञानिक अध्ययनों में सामने आया है।

21 झीलें नेपाल में, 25 तिब्बत में : आकलन में शामिल 47 संभावित खतरनाक ग्लेशियल झीलों में 21 नेपाल में और 25 तिब्बत में स्थित हैं। ये झीलें उन ऊंचे पर्वतीय इलाकों में हैं जहां से नेपाल की ओर बहने वाली नदियों का उद्गम होता है। यही वजह है कि अगर इनमें से कोई झील अचानक फटती है तो उसका पानी तेजी से नीचे की ओर बहते हुए नदी घाटियों में बसे गांवों और शहरों तक पहुंच सकता है। ग्लेशियल झीलों का खतरा इसलिए भी गंभीर है क्योंकि इनमें से कई झीलें ग्लेशियरों के पीछे जमा पानी से बनी हैं और उनके किनारे कमजोर मिट्टी, बर्फ और चट्टानों से बने बांध जैसे प्राकृतिक अवरोधों से घिरे हैं। ऐसे अवरोध टूटने पर बहुत कम समय में बड़ी मात्रा में पानी नीचे आ सकता है।

कुछ झीलों पर तत्काल ध्यान की जरूरत : आपदा प्रबंधन अधिकारियों और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने तेजी से फैल रही और प्राकृतिक मलबे से बने कमजोर बांधों के पीछे स्थित कुछ झीलों को विशेष रूप से संवेदनशील माना है। इनमें लोअर बरुण (तल्लोपोखरी), थुलागी (डोना), लुमडिंग त्शो, होंगू-2/चामलांग साउथ, त्शो रोल्पा और इम्जा त्शो प्रमुख हैं। इन झीलों के पानी का स्तर और आकार बढ़ने से इनके अचानक टूटने की आशंका बढ़ सकती है। इसलिए इन पर पानी का स्तर कम करने और खतरा घटाने के उपायों को प्राथमिकता देने की जरूरत बताई गई है।

पूर्वी और मध्य नेपाल में ज्यादा खतरा : खतरा नेपाल के कई जिलों में फैला हुआ है। खास तौर पर कोशी और बागमती नदी बेसिन के इलाकों में स्थिति चिंताजनक है। इन क्षेत्रों में कुल क्षेत्रीय जोखिम का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा संवेदनशील इलाकों में केंद्रित है। सोलुखुम्बु जिला दुध कोशी और इम्जा नदी घाटियों के कारण संवेदनशील है। यहां इम्जा झील से संभावित बाढ़ का खतरा है। संखुवासभा में बरुण और अरुण नदी घाटियों के आसपास के क्षेत्र खतरे में हैं। इसी तरह दोलखा में तामा कोशी नदी घाटी त्शो रोल्पा झील के संभावित प्रभाव क्षेत्र में आती है।

सिंधुपालचोक जिला भी काफी संवेदनशील है। यहां भोटे कोशी और सुन कोशी नदी घाटियों में तिब्बत की ओर स्थित ग्लेशियल झीलों से आने वाली बाढ़ का असर पड़ सकता है। इसके अलावा रामेछाप, काभ्रेपलांचोक और रसुवा के नदी किनारे बसे इलाकों पर भी खतरा है। खासकर त्रिशूली नदी बेसिन के आसपास के क्षेत्रों को संवेदनशील माना गया है।

पश्चिमी नेपाल में भी कई इलाके हो सकते हैं प्रभावित : नेपाल के पश्चिमी और सुदूर-पश्चिमी हिस्सों में गंडकी और कर्णाली नदी बेसिन के कई इलाके ग्लेशियल झीलों से आने वाली बाढ़ की चपेट में आ सकते हैं। मनांग और लमजुंग जिले थुलागी झील के नीचे स्थित मार्स्यांगदी नदी घाटी में हैं। इसलिए यहां अचानक आने वाली बाढ़ का सीधा असर पड़ सकता है। गोरखा में बूढ़ी गंडकी नदी घाटी, जबकि मुस्तांग और म्याग्दी में काली गंडकी नदी घाटी संवेदनशील है। दूर-दराज के हुम्ला जिले में भी खतरा है। खासकर लिमी घाटी और हुम्ला कर्णाली नदी गलियारे में रहने वाली आबादी और बुनियादी ढांचे पर संभावित तरह्लस्र का असर पड़ सकता है।

सिर्फ बाढ़ नहीं, बिजली परियोजनाओं के लिए भी खतरा : ग्लेशियल झीलों के फटने से सिर्फ नदी किनारे रहने वाली आबादी प्रभावित नहीं होगी। तेज बहाव के साथ आने वाला पानी, बर्फ, चट्टान और मलबा रास्ते में आने वाली सड़कों, पुलों और अन्य बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा सकता है। पश्चिमी नेपाल की कई नदी घाटियों में जलविद्युत परियोजनाएं भी स्थित हैं। ऐसे में बड़ी तरह्लस्र घटना से बिजली उत्पादन और उससे जुड़े बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचने की आशंका है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इन झीलों की लगातार निगरानी, शुरुआती चेतावनी प्रणाली और जरूरत पड़ने पर झीलों का जलस्तर कम करने जैसे उपायों से संभावित नुकसान को कम किया जा सकता है।

2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की तैयारियों को लेकर बैठक हुई

अहमदाबाद में 2036 ओलिंपिक की बोली पर चर्चा हुई, गृहमंत्री अमित शाह और खेलमंत्री शामिल

अहमदाबाद (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की तैयारियों को लेकर अहमदाबाद में गृहमंत्री अमित शाह, खेलमंत्री मनसुख मांडविया और गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष सांघवी की बैठक हुई। इस बैठक में 2036 ओलिंपिक की मेजबानी के लिए भारत की बोली पर भी चर्चा हुई।

गृह मंत्रालय खेलों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, आवाजाही और दूसरे इंतजामों की निगरानी में अहम भूमिका निभाएगा।कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी के लिए नरेंद्र मोदी स्टेडियम को भी चुना गया है।

शाह ने एक्स पर बैठक की जानकारी दी शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बैठक की जानकारी दी। उन्होंने कहा- हम इंटरनेशनल खेल आयोजनों की मेजबानी करके भारत को वैश्विक खेल स्थल बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया की बैठक में 2029 पुलिस और फायर गेम्स की मेजबानी पर भी चर्चा हुई।

अहमदाबाद में पहले पुलिस और फायर गेम्स होंगे-वर्ल्ड पुलिस और फायर गेम्स इन सभी आयोजनों से पहले अहमदाबाद में होगी। यह एक बड़ी मल्टी-गेम्स इंटरनेशनल प्रतियोगिता होगी। इसमें

70 देशों के करीब 10 हजार खिलाड़ी शामिल होंगे।

ओलिंपिक बोली पर फैसला 2029 तक संभव-कॉमनवेल्थ गेम्स दो दशक बाद भारत लौटेंगे। साल 2010 में दिल्ली ने पहली बार इसका आयोजन किया था। अहमदाबाद 2036 ओलंपिक की मेजबानी की दौड़ में भी शामिल है। सांघवी खेल विभाग भी संभालते हैं, इसलिए वे इंटरनेशनल ओलिंपिक समिति के साथ होने वाली बातचीत में शहर का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

भारत अभी मेजबान चुनने की प्रक्रिया के 'कंटीन्यूअस डायलॉग' चरण में है। देश की बोली पर फैसला 2029 से पहले होने की उम्मीद नहीं है।

2030 में गेम्स के 100 साल पूरे होंगे-2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स अपने 100 साल पूरे करेगा। पहला एडिशन 1930 में कनाडा के हैमिल्टन शहर में हुआ था। भारत दूसरी बार गेम्स की मेजबानी करेगा।

इससे पहले भारत ने 2010 में गेम्स की मेजबानी की थी। तब सारे इवेंट दिल्ली में हुए थे। ऑस्ट्रेलिया ने सबसे ज्यादा 5 बार गेम्स की मेजबानी की है। कनाडा और स्कॉटलैंड में 4 बार टूर्नामेंट खेला गया।

टी20 टूर्नामेंट में ऐसा रहा भारतीय टीम का रिकॉर्ड तीन बार खिताब पर जमा चुकी है कब्जा

महिला एशिया कप

दुबई (एजेंसी)। महिला एशिया कप 2026 की शुरुआत शुक्रवार से हो रही है। इस बार टूर्नामेंट टी20 प्रारूप में खेला जाना है। हरमनप्रीत कौर की अगुआई में भारतीय टीम को इस बार खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। आइए आपको बताते हैं टीम इंडिया का टी20 एशिया कप में रिकॉर्ड कैसा रहा है। हरमनप्रीत कौर की अगुआई में भारतीय टीम से इस बार भी दमदार प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के ऊपर टीम को शानदार शुरुआत देने की जिम्मेदारी होगी। शेफाली और मंधाना दोनों की ही हालिया फॉर्म शानदार रही है। मंधाना इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल रही हैं। वहीं, जेमिमा रोड्रिग्स की गैरमौजूदगी में कप्तान हरमनप्रीत कौर के कंधों पर मध्यक्रम की जिम्मेदारी होगी।

टी20 प्रारूप आता है रास

दरअसल, भारतीय टीम को एशिया कप में टी20 प्रारूप खूब रास आता है। कुल मिलाकर भारत ने टी20 एशिया कप में 25 मुकाबले खेले हैं। इसमें से हरमनप्रीत एंड कंपनी ने 21 मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि महज चार मुकाबलों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम टी20 एशिया कप के खिताब को तीन बार अपने नाम कर चुकी है। साल 2012, 2016 और 2022 में टीम इंडिया ने ट्रॉफी को अपने नाम किया था।

थाईलैंड के खिलाफ अभियान की करेगी शुरुआत

ऋषा घोष और दीप्ति शर्मा भारतीय टीम के लिए इस टूर्नामेंट में ट्रंप कार्ड साबित हो सकती हैं। दीप्ति बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दे सकती हैं, जबकि ऋचा तूफानी बल्लेबाजी के बूते किसी भी मैच का रुख पलटने का दमखम रखती हैं।

आर प्रज्ञानानंदा ग्रैंड चेस टूर जीतने वाले पहले भारतीय

कारूआना को 15-13 से हराया, 1.91 करोड़ की प्राइज मनी मिली

यूएस (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने 2026 ग्रैंड चेस टूर (जीसीटी) का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। वे जीसीटी का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। सेंट लुइस में खेले गए फाइनल में प्रज्ञानानंदा ने अमेरिका के ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना को 15-13 से हराया।इस जीत के साथ प्रज्ञानानंदा ने 2 लाख डॉलर (लगभग ?1.91 करोड़) की प्राइज मनी अपने नाम की।

6 पॉइंट पीछे रहने के बाद प्रज्ञानानंदा ने की वापसी

फाइनल मुकाबले के आखिरी दिन की शुरुआत में प्रज्ञानानंदा कारूआना से 6 पॉइंट पीछे चल रहे थे। हालांकि, उन्होंने दिन की शुरुआत में ही दोनों रैपिड गेम्स जीतकर अपनी स्थिति मजबूत की और स्कोर में बढ़त हासिल कर ली।इसके बाद हुए ब्लिट्ज़ मैचों में दोनों खिलाड़ियों का प्रदर्शन बराबरी का रहा, जिससे प्रज्ञानानंदा ने 2 पॉइंट की बढ़त बनाए।

विमेंस हॉकी वर्ल्डकप

भारत ने जर्मनी को 3-1 से हराया

एम्सटेलवीन (एजेंसी)। भारत ने विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप में जर्मनी को 3-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत टूर्नामेंट में पांचवे स्थान पर रहा। टीम ने 52 साल बाद टॉप-5 में फिनिश किया है। इससे पहले टीम 1974 वर्ल्ड कप में चौथे स्थान पर रही थी।

नीदरलैंड के एम्सटेलवीन में खेले मुकाबले में भारत ने तीनों गोल दूसरे हाफ में किए। नवनीत कौर ने 43वें और 46वें मिनट में गोल किए। इशिका ने 42वें मिनट में पहला गोल दागा। जर्मनी की ओर से लिन क्रिंग्स ने 58वें मिनट में गोल किया।

दूसरे हाफ में भारत ने तीन गोल किए-पहले दो क्वार्टर में दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं। भारत ने तीसरे क्वार्टर में लगातार आक्रमण किया। भारत को पहली सफलता 42वें मिनट में मिली, जब इशिका ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद नवनीत कौर ने 44वें और 47वें मिनट में लगातार 2 गोल कर भारत की बढ़त 3-0 कर दी। जर्मनी ने आखिरी क्वार्टर में एक गोल किया।

भारत ने मैच जीते, 3 ड्रॉ रहे, सिर्फ 1 में हार मिली-भारत ने ग्रुप स्टेज में चीन से 2-2 से ड्रॉ खेलकर टूर्नामेंट की शुरुआत की। फिर दूसरे मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 6-1 के बड़े अंतर से हराया। आखिरी मुकाबला इंग्लैंड से 0-0 से ड्रॉ रहा। टीम पूल-डी में दूसरे स्थान पर रहकर टॉप-8 में पहुंची। भारत को टॉप-8 में टूर्नामेंट की पहली हार मिली। टीम को पूल-श्र के मुकाबले में नीदरलैंड ने 2-0 से हराया। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारत को आखिरी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को हराना था। हालांकि यह मुकाबला 0-0 से ड्रॉ रहा। अब भारत ने जर्मनी को पांचवा स्थान हासिल किया है।

टूर्नामेंट में भारत ने 11 गोल किए और 6 गोल खाए-टूर्नामेंट में भारत ने तीन टीमों के खिलाफ 11 गोल किए। वहीं 4 टीमों के खिलाफ 6 गोल खाए। सबसे खास बात रही एक साथ कई खिलाड़ियों का अच्छा परफॉर्मेंस। टूर्नामेंट में भारत की ओर से 7 खिलाड़ियों ने गोल दागे। स्टार फॉरवर्ड नवनीत कौर 4 गोल के साथ टीम की टॉप स्कोरर रहीं। दीपिका ने 2 गोल किए।

कोहली खेलते तो भारत कोलंबो टेस्ट जीत जाता

नईदिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि अगर विराट कोहली कोलंबो टेस्ट में खेलते तो भारत मुकाबला जीत सकता था। कैफ के मुताबिक, टेस्ट के आखिरी दिन भारतीय टीम में जोश और तेजी की कमी दिखाई दी। विराट टीम में होते तो वे खिलाड़ियों को लगातार उत्साहित करते और श्रीलंका के बल्लेबाजों पर दबाव बनाने की कोशिश करते। कोहली भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान रहे हैं। उन्होंने 68 टेस्ट में कप्तानी की, जिनमें भारत ने 40 मैच जीते, 17 हारे और 11 मुकाबले ड्रॉ रहे। इस मामले में उनके बाद एमएस धोनी का नंबर आता है।

कैफ बोले- कोहली खिलाड़ियों में जोश भरते-कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि विराट कोहली टीम में होते तो वह लगातार खिलाड़ियों से बात करके उन्हें मैच में बनाए रखते। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट लंबा खेल है और इसमें गेंदबाजों को लगातार मेहनत करनी पड़ती है।

वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 टीम से बाहर

● ऑस्ट्रेलिया सीरीज नहीं खेलेंगे, बीसीसीआई के वन-वर्ल्ड कप नियम का असर, 2026 वर्ल्डकप खेल चुके

नईदिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए भारत की 15 सदस्यीय अंडर-19 टीम घोषित की है। इसमें पूर्व भारतीय दिग्गज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग और पूर्व भारतीय कोच राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ को जगह मिली है।

हालांकि, बीसीसीआई के नियम के नियम की वजह से 15 साल के वैभव सूर्यवंशी टीम में शामिल नहीं हैं। वैभव अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल में सीनियर टीम के लिए डेब्यू भी कर चुके हैं।

50 ओवर की टीम की कप्तानी उत्तराखंड के बल्लेबाज लक्ष्य रायचंदानी करेंगे। मध्य प्रदेश के बल्लेबाज यशवर्धन चौहान उपकप्तान होंगे। रेड-बॉल मैच में चौहान कप्तानी संभालेंगे, जबकि रायचंदानी उपकप्तान की भूमिका में रहेंगे।

लेग-स्पिन ऑलराउंडर आर्यवीर और विकेटकीपर-बल्लेबाज अन्वय को 15 सदस्यीय वनडे टीम में शामिल किया गया है। दोनों को मल्टी-डे फॉर्मेट के मैचों के लिए चुनी गई टीम में जगह नहीं मिली।लक्ष्य रायचंदानी भारतीय -19 टीम के कप्तान हैं।

भारत की -19 वनडे टीम-लक्ष्य रायचंदानी (कप्तान), यशवर्धन चौहान (उप कप्तान), रजत बघेल, आर्यवीर सहवाग, वीके विनीत, कुशाग्र ओझा, अर्जुन राजपूत, मनाल चौहान, अन्वय द्रविड़, वी यशवीर, रोहित यादव, शाविन विनोद, मोहित उल्वा, चिगुरुपति वेंकट और काव्य पटेल।

राजकोट में 18 सितंबर से शुरू होगी सीरीज

जूनियर मेंस सिलेक्शन कमेटी ने घरेलू सीरीज के लिए टीमों का ऐलान किया है। इसमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ राजकोट में 50 ओवर के तीन मैच खेले जाएंगे। ये मुकाबले 18, 21 और 23 सितंबर को होंगे। इसके बाद दो रेड-बॉल मल्टी-डे मैच खेले जाएंगे। पहला मैच 27 से 30 सितंबर तक राजकोट में होगा।

बीसीसीआई का अंडर-19 वर्ल्ड कप नियम

बीसीसीआई ने 2016 में खिलाड़ियों के लिए एक नियम बनाया था। इसके मुताबिक, पात्र होने के बावजूद कोई खिलाड़ी एक से ज्यादा अंडर-19 वर्ल्ड कप नहीं खेल सकता है। इसी नियम के कारण वॉशिंगटन सुंदर 2018 का अंडर-19 वर्ल्ड कप नहीं खेल सके थे। उनसे पहले सरफराज खान, संदीप शर्मा, विजय जोल और अन्य खिलाड़ी टूर्नामेंट के कई एडिशन में हिस्सा ले चुके थे।

एशियाड में क्रिकेट की बी टीमें भेज सकता है भारत

जापान में सुविधाओं से बीसीसीआई नाराज, होटल के कमरे छोटे, स्टेडियम से 20 किमी दूर

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत जापान में होने वाले एशियन गेम्स में क्रिकेट की 'बी टीम' भेज सकता है। बोर्ड के सूत्रों के अनुसार बीसीसीआई जापान में मिलने वाली सुविधाओं से संतुष्ट नहीं है। एशियन गेम्स में क्रिकेट के मुकाबले 17 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच खेले जाएंगे।

खबर है कि टीम जिस होटल में ठहरने वाली है, उसके कमरे बेहद छोटे हैं। उसमें किट बैग रखने तक की पर्याप्त जगह नहीं है।भारत टूर्नामेंट के लिए मेंस और विमेंस दोनों टीमें घोषित कर चुका है। अब इनमें बदलाव पर विचार किया जा रहा है।

● होटल के छोटे रूम

रिपोर्ट्स के अनुसार, खिलाड़ियों के ठहरने के लिए जो होटल के कमरे दिए जा रहे हैं, वे बेहद छोटे हैं। बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि कमरे इतने तंग हैं कि अगर दो खिलाड़ी अपना भारी-भरकम किट बैग खोल लें तो चलने या खड़े होने तक की जगह नहीं बचती।

● स्टेडियम 20 किमी दूर

इस बार एशियन गेम्स में खिलाड़ियों के लिए कोई अलग एथलीट विलेज नहीं बनाया गया है। स्टेडियम के पास के फाइव स्टार होटल पहले से बुक होने के कारण क्रिकेटर्स को 20 किलोमीटर दूर ठहराया जा रहा है। इससे लंबे ट्रैवल टाइम की समस्या खड़ी हो रही है।

● क्रिकेट पिच अनटेस्टेड

मैचों के लिए कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क को सिलेक्ट किया गया है, जो पहले बेसबॉल स्टेडियम था। इसे हाल ही में क्रिकेट स्टेडियम में बदला गया है। पिच और आउटफील्ड अब तक इंटरनेशनल लेवल पर सही तरीके से टेस्ट नहीं हुई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी इस पर चिंता जताई है।

● ड्रेसिंग रूम टेंट में, वॉशरूम 500 मीटर दूर

ड्रेसिंग रूम पक्के मकान की बजाय तंबुओं में बनाए गए हैं। यहां से वॉशरूम 500 मीटर दूर है, जिससे खिलाड़ियों को असुविधा हो रही है।

एसीसी ने जांच के लिए टेक्निकल टीम बनाई

सुविधाओं और पिच की गुणवत्ता को लेकर उठे सवालों के बाद एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) ने एक टेक्निकल टीम जापान भेजने का फैसला किया है। यह टीम मैदान, प्रैक्टिस नेट्स और होटल की व्यवस्थाओं का जायजा लेगी।

विदेश दौरे से टीम इंडिया को क्या मिला?

पडिक्कल का बल्ला बोला, सुथार ने मचाया धमाल

3 नंबर की समस्या हल हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में देवदत्त पडिक्कल और मानव सुथार भारत के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक खबर बनकर उभरे। हालांकि 1-0 की जीत के बावजूद गेंदबाजी, खासकर आखिरी पारी में विपक्षी बल्लेबाजों को रोकने को लेकर सवाल बरकरार हैं।

श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत ने 1-0 से जीत दर्ज की। हालांकि सीरीज में कई सवालों के जवाब मिले, वहीं कुछ चिंताएं अब भी बरकरार हैं। सबसे बड़ी सकारात्मक बात देवदत्त पडिक्कल का नंबर-3 पर शानदार प्रदर्शन और युवा बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार का प्रभावशाली प्रदर्शन रहा। पडिक्कल ने बल्लेबाजी में अपनी दावेदारी मजबूत की, जबकि सुथार ने रवींद्र जडेजा के बाद भारत के प्रमुख टेस्ट स्पिनर के रूप में लंबी पारी के लिए खुद को तैयार साबित किया। दूसरी ओर, गेंदबाजी की अंतिम पारी में भारत के प्रदर्शन ने टीम प्रबंधन को एक बार फिर सोचने पर मजबूर किया है।

नंबर-3 पर पडिक्कल ने मजबूत की दावेदारी

देवदत्त पडिक्कल इस सीरीज में भारत के सबसे बड़े हासिल के रूप में उभरे। उन्होंने तीन पारियों में 328 रन बनाए और उनका औसत 109.33 रहा। इस दौरान उन्होंने दो शतक भी लगाए और उन्हें सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

स्पिन के खिलाफ पडिक्कल की बल्लेबाजी खास तौर पर चर्चा में रही। जहां श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने भारतीय स्पिनरों से निपटने के लिए स्वीप और उसके अलग-अलग रूपों का सहारा लिया, वहीं पडिक्कल ने बैकफुट प्ले और शानदार फुटवर्क को अपना हथियार बनाया।

उनके शुरुआती कोच मोहम्मद नसीरुद्दीन के मुताबिक, सीरीज से पहले पडिक्कल ने स्पिन के खिलाफ इसी पहलू पर काफी काम किया था। उन्होंने कहा, 'अगर आप क्रीज पर टिके रहते हैं तो स्पिनरों के खिलाफ खेलना मुश्किल होता है। इसलिए हम गेंद के जितना करीब हो सके जाने या आगे निकलकर ड्राइव खेलने की ट्रेनिंग कर रहे थे।'

पडिक्कल के इस प्रदर्शन ने नंबर-3 की जगह को लेकर चल रही बहस को काफी हद तक खत्म कर दिया है। साई सुदर्शन के चोट से वापसी करने के बाद भी पडिक्कल इस स्थान के मजबूत दावेदार नजर आ रहे हैं। कप्तान शुभमन गिल ने भी मजाकिया अंदाज में कहा कि अगर पडिक्कल इसी तरह बल्लेबाजी करते रहे तो उन्हें नंबर-3 पर निश्चित तौर पर मौका दिया जाएगा।

ध्रुव जुरेल ने भी किया प्रभावित

ध्रुव जुरेल ने भी निचले क्रम में भारत को नई रणनीतिक मजबूती दी है। विकेटकीपर-बल्लेबाज जुरेल अब ऋषभ पंत के पीछे नंबर-6 पर विशेषज्ञ बल्लेबाज की भूमिका निभा रहे हैं। जुरेल की सबसे बड़ी खासियत परिस्थितियों के मुताबिक अपना खेल बदलने की क्षमता है। गाले में उन्होंने पडिक्कल के शतक के बाद तेज अर्धशतक लगाया, जबकि एसएससी में पहले आक्रामक अंदाज में पंत का साथ दिया और फिर खुद शतक जड़ दिया।

स्पिन और तेज गेंदबाजी दोनों के खिलाफ उनका आत्मविश्वास भी खास रहा। दूसरे टेस्ट में जुरेल ने स्पिनरों की 101 गेंदों का सामना करते हुए 56 रन बनाए। तेज गेंदबाजों ने उन्हें बाउंसर से

मानव सुथार ने दिखाया भविष्य का रास्ता

युवा बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार ने भी सीरीज में अपनी छाप छोड़ी। गाले में उन्होंने परिस्थितियों का भरपूर फायदा उठाते हुए मैच में 10 विकेट हासिल किए। कोलंबो के एसएससी मैदान पर परिस्थितियां बिल्कुल अलग थीं। यहां पिच धीमी थी और गेंद को ज्यादा मदद नहीं मिल रही थी। इसके बावजूद सुथार ने करीब 63 ओवर गेंदबाजी कर छह विकेट हासिल किए। गॉल में जहां वह 80 किलोमीटर प्रति घंटे से कुछ ज्यादा की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे थे, वहीं एसएससी की धीमी पिच पर उन्हें करीब 10 किलोमीटर प्रति घंटे की अतिरिक्त गति से गेंदबाजी करनी पड़ी ताकि गेंद से कुछ टर्न और पकड़ हासिल की जा सके।

भारत के स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने सुथार की तारीफ करते हुए कहा कि यह उनके लिए सीखने का अनुभव है। उन्होंने कहा, 'यह मानव का तीसरा टेस्ट है और उसे अलग-अलग परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। वह जानते थे कि बल्लेबाज उन पर हमला करेंगे। वह सीख रहे हैं। हमें उनकी सबसे अच्छी बात उनका जुझारूपन लगता है। वह हमेशा 100 प्रतिशत देते हैं।'

प्रसिद्ध कृष्णा से मिली राहत, सिराज पर सवाल

तेज गेंदबाजी में प्रसिद्ध कृष्णा भारत के लिए सकारात्मक पक्ष रहे। उन्होंने चारों पारियों में लगातार गति और ऊर्जा के साथ गेंदबाजी की। हालांकि उन्हें कई मौकों पर मुख्य तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की कमी भी पूरी करनी पड़ी।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com